INS ACCREDITED
यूंनिकॉम एडवरटाइजिंग
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026—28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-136 | सांध्य दैनिक | मथुरा, रविवार, 12 जुलाई 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

महिला यात्री को सुरक्षित ट्रेन में बिठाने पर विवाद में बढ़ा मामला

स्टेशन पर डीएसएस से मारपीट चार आरपीएफ जवान निलंबित

डीएसएस को 300 मीटर घसीटकर थाने ले जाने का आरोप, हंगामा

यूनिक समय, आगरा। रविवार को आगरा कैंट रेलवे स्टेशन पर रेलवे अधिकारी और आरपीएफ जवानों के बीच विवाद ने गंभीर रूप धारण कर लिया। आरोप है कि आरपीएफ कर्मियों ने स्टेशन उपाधीक्षक (डीएसएस) नरेंद्र चाहर के साथ मारपीट की और उन्हें करीब 300 मीटर तक घसीटते हुए आरपीएफ थाने ले गए। घटना का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। ऐसा वीडियो सामने आने के बाद रेलवे प्रशासन ने चार आरपीएफ कर्मचारियों को निलंबित कर दिया है।

रविवार सुबह करीब 11 बजे प्लेटफॉर्म नंबर–1 पर अमृतसर से चलकर हीराकुंड एक्सप्रेस पहुंची थी। इसी दौरान एक महिला यात्री ट्रेन से उतरकर कुछ सामान लेने लगी। जब वह वापस ट्रेन में चढ़ने पहुंची, तब तक ट्रेन चलने लगी थी। महिला को परेशानी में देखकर डीएसएस नरेंद्र चाहर ने वॉकी–टॉकी से लोको पायलट को सूचना देकर ट्रेन रुकवा दी।

स्टेशन उपाधीक्षक नरेंद्र चाहर को घसीटकर ले जाते आरपीएफ के जवान। साभार वीडियोग्रेव

ट्रेन रुकने के बाद महिला यात्री जैसे ही ट्रेन में चढ़ने लगी, आरपीएफ जवानों ने महिला को चेन पुलिंग के आरोप में रोक लिया, डीएसएस ने इसका विरोध करते हुए कहा कि ट्रेन उन्होंने रुकवाई थी। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी शुरू हो गई।

आरोप है कि विवाद बढ़ने के बाद आरपीएफ जवानों ने अपने अन्य साथियों को बुला लिया। इसके बाद डीएसएस नरेंद्र चाहर को पकड़कर ले जाने की कोशिश की गई। विरोध करने पर उन्हें जमीन पर गिराने और थप्पड़ मारने का आरोप है। बाद में आरपीएफ जवान उन्हें घसीटते हुए थाने ले गए। घटना की जानकारी मिलते ही रेलवे कर्मचारी मौके पर पहुंच गए और आरपीएफ थाने के बाहर प्रदर्शन शुरू कर दिया। कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि महिला यात्री की मदद करने वाले अधिकारी के साथ अमानवीय व्यवहार किया गया। आगरा रेलवे मंडल के पीआरओ संजय गौतम ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए आरपीएफ इंस्पेक्टर मेघराज मीणा, एएसआई बालकिशन, सिपाही बदन सिंह और जितेंद्र को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। जांच के लिए तीन सदस्यीय कमेटी गठित की गई है। इसमें स्टेशन डायरेक्टर, आरपीएफ असिस्टेंट सिक्योरिटी कमिश्नर और एओएम शामिल हैं। रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

महिला ने आरपीएफ पर लगाए आरोप

विवाद की वजह बनी लुधियाना, पंजाब के लक्ष्मण नगर की रहने वाली महिला यात्री ने लिखित में बताया कि वह स्टेशन पर मिठाई लेने को उतरी, वापस आई तो ट्रेन चल दी। एक रेलवे कर्मचारी ने हमारे लिए ट्रेन रुका दी, जिससे हम चढ़ गए और फिर एक पुलिस वाली महिला कर्मचारी ने हमको उतार लिया। मोबाइल ले लिया, स्टेशन कर्मचारी ने पुलिस वाले से महिला को उतारने की वजह पूछी तो विवाद हो गया। इसके बाद हमको थाने ले जाया गया, जहां पुलिस वाले ने शिकायत दर्ज की, एक हजार रुपये का जुर्माना वसूला, जबकि हमने कोई चैन पुलिंग नहीं की। पुलिस ने एक हजार रुपये की रसीद भी नहीं दी।

स्टेट बैंक के तीन खातों में साइबर ठगों ने मंगाए 15 करोड़

म्यूल खातों की जांच में मामला सामने आया

कई साइबर अपराधियों के खिलाफ दर्ज की गई रिपोर्ट

यूनिक समय, मथुरा। साइबर थाने ने भारतीय स्टेट बैंक में जनकल्याण सेवा ट्रस्ट और सहयोग पब्लिक फाउंडेशन, एसएंडडी एंटरप्राइजेज के नाम से करंट खाते/म्यूल बैंक खातो में साइबर ठगी के करीब 15 करोड रूपये मंगवाने वाले अपराधियों के विरुद्ध दो अभियोग पंजीकृत किए हैं।

साइबर थाना प्रभारी निरीक्षक रफत मजीद ने बताया कि उप निरीक्षक राजकुमार पवार द्वारा म्यूल खातों की जांच की गई। जांच में जनपद मथुरा में भारतीय स्टेट बैंक की विभिन्न शाखा में जनकल्याण सेवा ट्रस्ट के नाम से करंट मथुरा में तीन खाते खुलवाए गए। खाते सहयोग पब्लिक फाउंडेशन के नाम से खोले गए थे। 2025 में खोले गए इन खातों का इस्तेमाल म्यूल खातों के रूप में प्रयोग कर इन बैंक खातों में करीब 15 करोड रुपये साइबर फ्राड की धनराशि ट्रांसफर कराकर विभिन्न माध्यम से निकालकर आर्थिक लाभ लेना पाया गया। इन बैंक खातों के विरुद्ध एनसीआरपी पोर्टल पर साइबर फ्राड की पूरे भारत वर्ष में बहुत अधिक शिकायतें दर्ज होना पाया गया है । इस मामले में पंकज कुंतल निवासी गांव अहमलकलां थाना मगोर्रा जनपद मथुरा, वीरेन्द्र कुमार निवासी गांव तरौली थाना छाता जनपद मथुरा, अंकित त्रिपाठी निवासी प्रयागराज व अन्य अज्ञात के विरुद्ध अभियोग पंजीकृत किया गया है। इसके साथ ही अभियुक्तगण संदीप कुमार, धर्मेन्द्र सिंह निवासीगण गांव मिठौली थाना नौहझील जनपद मथुरा के विरुद्ध भी अभियोग दर्ज कराया गया है। बताया गया कि पंकज कुंतल द्वारा एक खाता पर सील लगने पर दूसरा खाता खुलवा लिया जाता था।

स्पोर्ट्स स्टेडियम में करंट लगने से 14 वर्षीय किशोर की मौत

यूनिक समय, मथुरा। गणेशरा स्थित स्व. मोहन पहलवान स्पोर्ट्स स्टेडियम में रविवार सुबह दर्दनाक हादसे में 14 वर्षीय किशोर की करंट लगने से मौत हो गई। मृतक की पहचान गोवर्धन मार्ग स्थित अमर कॉलोनी निवासी जितेंद्र खेरवार (14) पुत्र कैलाश प्रसाद के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, जितेंद्र रोज की तरह सुबह करीब 7 बजे स्टेडियम में दौड़ लगाने पहुंचा था। दौड़ के दौरान वह टेनिस कोर्ट के पास लगे बिजली के पोल के संपर्क में आ गया, जिसमें करंट प्रवाहित हो रहा था। करंट लगते ही वह गिर पड़ा। मौके पर मौजूद खिलाड़ियों ने उसे पोल से अलग किया। सूचना पर एथलेटिक्स कोच दिनेश उसे तत्काल गोवर्धन चौराहा स्थित सिटी हॉस्पिटल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने कोई तहरीर नहीं दी और पोस्टमार्टम कराने से भी इनकार कर दिया। उप जिला क्रीड़ा अधिकारी आजाद सिंह ने स्टेडियम पहुंचकर निरीक्षण किया और बताया कि पोल में करंट आने के कारणों की जांच कराई जा रही है।

जनप्रतिनिधि का नाम नहीं होगा छोटा या बड़ा

शिलापट्टों पर सभी जनप्रतिनिधियों को मिलेगा समान सम्मान

यूनिक समय, मथुरा। सरकारी विकास कार्यों के लोकार्पण और शिलान्यास से जुड़ी शिलापट्टिकाओं पर अब किसी जनप्रतिनिधि के नाम को बड़ा या छोटा लिखने का विवाद समाप्त होने जा रहा है। प्रदेश शासन ने स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं कि सांसद, विधायक, महापौर और निकाय अध्यक्ष सहित सभी जनप्रतिनिधियों के नाम एक ही फॉन्ट आकार में अंकित किए जाएंगे। शासन के निर्देशों के बाद जिले में इसका सख्ती से पालन सुनिश्चित कराया जा रहा है।

जारी दिशा–निर्देशों के अनुसार, नगर विकास विभाग अथवा वित्त आयोग की धनराशि से होने वाले प्रत्येक विकास कार्य की शिलापट्टिका पर निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार मुख्यमंत्री, नगर विकास मंत्री, क्षेत्रीय लोकसभा सांसद, राज्यसभा सांसद,

महापौर, क्षेत्रीय विधायक, नामित विधान परिषद सदस्य और संबंधित नगर पालिका या नगर पंचायत अध्यक्ष का नाम अनिवार्य रूप से दर्ज किया जाएगा। सभी जनप्रतिनिधियों के नाम समान आकार के अक्षरों में लिखे जाएंगे, ताकि सम्मान के स्तर पर किसी प्रकार का भेदभाव न दिखाई दे।

शासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि किसी भी योजना के शिलान्यास अथवा लोकार्पण कार्यक्रम में संबंधित क्षेत्र के सभी जनप्रतिनिधियों को प्रोटोकॉल के अनुरूप ससम्मान आमंत्रित करना

प्रोटोकॉल के अनुरूप ससम्मान आमंत्रित करना अनिवार्य

अनिवार्य होगा। इससे विकास कार्यों में पारदर्शिता के साथ जनप्रतिनिधियों के बीच समन्वय भी बेहतर होने की उम्मीद जताई जा रही है। नई व्यवस्था के तहत विकास कार्य पूरा होने के बाद अगली वित्तीय किस्त जारी कराने के लिए केवल उपयोगिता और पूर्णता प्रमाण–पत्र पर्याप्त नहीं होंगे। संबंधित विभाग को शिलापट्ट की स्पष्ट तस्वीर भी प्रस्तुत करनी होगी, जिसमें सभी नाम शासन के निर्देशों के अनुरूप अंकित हों। इस तस्वीर का प्रमाणीकरण डीएम, नगर आयुक्त अथवा अधिशासी अधिकारी द्वारा किया जाएगा। इसके बाद ही अगली किस्त जारी करने की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी।

प्रशासन ने सभी स्थानीय निकायों और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि शासनादेश का अक्षरशः पालन सुनिश्चित किया जाए। यदि किसी शिलापट्ट पर निर्धारित नियमों का उल्लंघन पाया गया तो संबंधित अधिकारी के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जा सकती है। माना जा रहा है कि इस व्यवस्था से शिलापट्टों पर नामों के आकार को लेकर होने वाले विवाद समाप्त होंगे और सभी जनप्रतिनिधियों को समान सम्मान देने की परंपरा मजबूत होगी।

एडीएम प्रशासन अमरेश कुमार ने बताया कि जिले में शासन के इस निर्देश पर काम करने को सभी को कड़े आदेश दिए गए हैं, शिलापट्टिका पर सभी को बराबर सम्मान देने को कहा गया है।

ई-रिक्शा हड़ताल से थमी जीवन की रफ्तार, पैदल चले यात्री

रविवार को गोवर्धन चौराहे पर हड़ताल के दौरान नारेबाजी करते ई-रिक्शा संचालक।

पुलिस कार्रवाई और चालानों के विरोध में तीन दिवसीय आंदोलन शुरू

टेंपो संचालन भी प्रभावित, चोरी-छिपे चल रहे ई-रिक्शों से मिली आंशिक राहत

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा और मंदिरों की नगरी वृंदावन के लिए रविवार को ई-रिक्शा चालकों की तीन दिवसीय हड़ताल का पहला दिन आम लोगों के लिए भारी परेशानी लेकर आया। पुलिस की कार्रवाई और मनमाने चालान के विरोध में बड़ी संख्या में ई-रिक्शा चालकों ने अपने वाहन सड़कों से हटा लिए, जिससे शहर की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हो गई। बाजार, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और प्रमुख चौराहों पर यात्रियों को घंटों वाहन का इंतजार करना पड़ा, जबकि काफी संख्या में लोगों को पैदल ही अपने गंतव्य तक जाना पड़ा।

हड़ताल का असर शहर के साथ वृंदावन के प्रमुख मार्गों के साथ-साथ पुराने शहर के बाजारों और धार्मिक स्थलों तक देखने को मिला। सामान्य दिनों में जहां ई-रिक्शों की आवाजाही रहती है, वहां रविवार को सन्नाटा नजर आया। महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों के साथ यात्रा करने वाले लोगों को सबसे अधिक दिक्कतों का सामना करना पड़ा। कई यात्रियों ने निजी वाहनों या ऑटो का सहारा लिया, जबकि कुछ ने लंबी दूरी पैदल तय की।

ई-रिक्शा चालकों का कहना है कि पुलिस द्वारा लगातार चालान किए जा रहे हैं और कार्रवाई के दौरान उनके साथ कठोर व्यवहार किया जाता है। उनका आरोप है कि नियमों के नाम पर अनावश्यक उत्पीड़न किया जा रहा है। इसी के विरोध में तीन दिन तक ई-रिक्शा संचालन बंद रखने का निर्णय लिया गया है। हड़ताल के चलते कुछ स्थानों पर टेंपो संचालन भी प्रभावित रहा।

सवारी भरकर शहर की ओर जाते टेंपो का रोकते हड़ताली ई-रिक्शा संचालक।

वृंदावन में ई-रिक्शा चालकों की हड़ताल बेअसर

यूनिक समय, वृंदावन। मंदिरों की नगरी में ई रिक्शा चालकों की हड़ताल का खास असर दिखाई नहीं दिया। सुबह से ही रिक्शा चालक श्रद्धालुओं को बिठाने के लिए जगह-जगह दिखाई दिए। हड़ताल करने वाले ई रिक्शा संचालकों ने रूकमणि विहार क्षेत्र में प्रदर्शन किया। कोतवाली प्रभारी ने हड़ताली ई-रिक्शा चालकों को कानून अपने हाथ में न लेने की चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि नगर में ई रिक्शा चलेंगे तो नियम और कानून कायदे से चलेंगे। यदि कानून व्यवस्था की स्थिति बिगाड़ी तो कार्रवाई भी होगी। पंजीकृत ई-रिक्शा ही निर्धारित रूटों पर चलेंगे।

कहां से लाएं चालान को इतने रुपये

हड़ताल के बाद भी ई-रिक्शा से संवारी ढो रहे राहुल और शमीम का दर्द फूटा। बातचीत के दौरान कहने लगे, साहब यह शीशा देखिए, लिखा है कि जंक्शन से कलेक्ट्रेट का इतना किराया। इस पर यातायात पुलिस वाले कहते है कि स्टेट बैंक होकर नहीं जाएंगे, तो क्या उड़कर जाएं। धौलीप्याऊ से जाने को कहते हैं, कौन सवारी दोगुना किराया देगी। चालान भी तो बीस हजार रुपये के होते हैं, अब परिवार को खुशी दें या पुलिस के लिए कमाएं।

हड़ताल से श्रद्धालु दिखे आहत

हड़ताल से आम लोग और श्रद्धालु सबसे ज्यादा आहत दिखे। लोगों ने बताया कि वृंदावन में हड़ताल के नाम पर ई-रिक्शा चालकों की जबरदस्ती चाबी छीनी गई, तीर्थ यात्रियों को उतारा गया। इस दौरान जबरन चाबी छीनने वालों की पुलिस से नोकझोंक भी हुई।

हालांकि, शहर के कुछ क्षेत्रों में चोरी-छिपे कुछ ई-रिक्शा चलते दिखाई दिए। इन वाहनों ने सीमित संख्या में यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाया, जिससे लोगों को थोड़ी राहत मिली। बावजूद इसके, अधिकांश मार्गों पर सार्वजनिक परिवहन की कमी साफ दिखाई दी। यदि हड़ताल आगामी दिनों तक जारी रहती है तो शहर में आवागमन की समस्या और गंभीर हो सकती है। आम लोगों का कहना है कि प्रशासन और ई-रिक्शा यूनियन के बीच जल्द वार्ता कर समाधान निकाला जाना चाहिए, ताकि यात्रियों को होने वाली परेशानी से राहत मिल सके।

बांकेबिहारी के दर्शन कर नगर आयुक्त ओजस्वी राज ने संभाला पदभार

यूनिक समय, मथुरा। नवागत नगर आयुक्त ओजस्वी राज ने पदभार ग्रहण करने से पहले वृंदावन स्थित श्री बांकेबिहारी मंदिर में दर्शन-पूजन कर आशीर्वाद लिया। इसके बाद उन्होंने नगर निगम कार्यालय पहुंचकर विधिवत कार्यभार संभाला। इस अवसर पर नगर निगम के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उनका स्वागत किया।

पदभार ग्रहण करने के बाद नगर आयुक्त ने अधिकारियों के साथ बैठक कर नगर निगम की कार्यप्रणाली, चल रही विकास योजनाओं, सफाई व्यवस्था, जल निकासी, कर वसूली और जनसेवाओं की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों से कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा शासन की प्राथमिकताओं के अनुरूप पारदर्शिता और गुणवत्ता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने नगर निगम के तमाम वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक परिचय बैठक की और विभिन्न विभागों के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। इस दौरान अपर नगर आयुक्त सौरभ सिंह, सी.पी. पाठक, सहायक नगर आयुक्त राकेश त्यागी, अनुज कौशिक, जलकल महाप्रबंधक अनवर ख्वाजा और नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रामगोपाल सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

पदभार ग्रहण करने से पहले वृंदावन में सपत्नीक दर्शन करते नगर आयुक्त ओजस्वी राज।

नीरज बने राष्ट्रीय हनुमान दल के नगर अध्यक्ष

यूनिक समय, राया। राष्ट्रीय हनुमान दल के रास्ट्रीय अध्यक्ष रोहित सिंह की अनुशंसा पर कस्बा निवासी नीरज शर्मा को नगर अध्यक्ष बनाया है। वही संगठन के प्रति प्रतिकूल गतिविधियों, अनुशासनहीनता को देखते हुए प्रदेश अध्यक्ष डॉ. नरेंद्र रावत ने रविकांत वर्मा को नगर अध्यक्ष पद और अन्य सभी दायित्वों से मुक्त कर दिया है।

स्वास्थ्य शिविर में पीड़ितों को मिली राहत

स्व. सुरेश चन्द्र अग्रवाल की पुण्य स्मृति में आयोजित हुआ नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर

शिविर का शुभारंभ करते हुए महामंडलेश्वर स्वामी नवल गिरि, साथ में संस्था के संस्थापक सीए अमित अग्रवाल, अध्यक्ष कन्हैयालाल अग्रवाल और अन्य गणमान्य लोग

यूनिक समय, मथुरा। प्रथम पहल फाउंडेशन और सुरेश चन्द्र अग्रवाल मेमोरियल ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में स्व. सुरेश चन्द्र अग्रवाल (सुपारी वाले) की पुण्य स्मृति में मसानी दिल्ली बाईपास स्थित एक होटल में नि:शुल्क मेगा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन हुआ।150 से अधिक लोगों ने विशेषज्ञ चिकित्सकों के द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण कर नि:शुल्क दवाइयां दी गई।

शुभारंभ महामंडलेश्वर स्वामी नवल गिरि ने दीप प्रज्वलित करके किया। वक्ताओं ने कहा कि बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं हर नागरिक तक पहुंचाना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। बताया कि प्रथम पहल फाउंडेशन पिछले छह वर्षों से स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रहा है। संस्था अब तक हजारों जरूरतमंद लोगों को नि:शुल्क चिकित्सा परामर्श, स्वास्थ्य शिविर, डिजिटल एक्स-रे, दवा वितरण और एडवांस लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस जैसी सेवाएं दे रही है।

शिविर में हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. दिवाकर गोयल और ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. अमिताभ पांडेय ने मरीजों की जांच कर आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया। चिकित्सकों ने हृदय, नाक, कान और गला संबंधी रोगों से पीड़ित मरीजों का परीक्षण कर उचित उपचार और स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक सलाह दी। शिविर में गिरीश कुमार वर्मा, पैरामेडिकल स्टाफ काजल ठाकुर, कृष्णा ठाकुर, दीपक चौहान, रोशनी,संतोष उपाध्याय ने भी सेवाएं दी। इस अवसर पर प्रथम पहल फाउंडेशन के संस्थापक सीए अमित अग्रवाल, अध्यक्ष कन्हैयालाल अग्रवाल (स्वीटी सुपारी), महासचिव प्रियेश अग्रवाल, संरक्षक ममता बिंदल, उपाध्यक्ष हर्ष कुमार जैन,योगेश सराफ, सचिव नारायण हरि गोयल, कोषाध्यक्ष पंकज टालीवाल, आय-व्यय निरीक्षक आशीष खंडेलवाल (नकुल) सहित संस्था के पदाधिकारी, समाजसेवी- गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

रंग का मेल, जिले में जमकर चल रहा डग्गामारी का खेल

टाउनशिप तिराहे से आगरा के लिए सवारियां भरती हरियाणा के बस जैसी डग्गामार बस। दूसरे चित्र में आगरा से सवारियां लेकर मथुरा की ओर जा रही एक डग्गामार बस। अंतिम चित्र में गोवर्धन रोड पर खड़ी डग्गामार बस, यहां से ही यह बसें आगरा-दिल्ली की ओर सवारियां लेने को जाती हैं।

रोडवेज जैसी बसों से खुलेआम सवारियां ढोने का कारोबार

परिवहन विभाग की चुप्पी, यात्रियों की सुरक्षा पर सवाल

यूनिक समय, मथुरा। जिले में डग्गामार वाहनों का संचालन लगातार बढ़ता जा रहा है। हरियाणा और उत्तर प्रदेश रोडवेज की बसों से मिलते-जुलते रंग और डिजाइन वाली निजी बसें खुलेआम सवारियां ढो रही हैं। इन बसों को देखकर यात्री इन्हें रोडवेज की बस समझ बैठते हैं और इनमें सफर कर लेते हैं। जिले का गोवर्धन चौराहा डग्गामार वाहनों का प्रमुख अड्डा बन चुका है, जहां से आगरा, दिल्ली, गोवर्धन और आसपास के अन्य मार्गों के लिए दिनभर निजी बसों और अन्य वाहनों का संचालन होता रहता है।

बताया जाता है कि आगरा-मथुरा मार्ग पर तीन दर्जन से अधिक ईको कारें भी डग्गामारी में लगी हुई हैं। ये वाहन निर्धारित नियमों की अनदेखी कर सवारियां भरते हैं और बीच रास्ते से यात्रियों को बैठाने-उतारने का काम करते हैं। इससे न केवल यातायात व्यवस्था प्रभावित होती है, बल्कि दुर्घटनाओं की आशंका भी बनी रहती है। कई बार क्षमता से अधिक सवारियां बैठाकर वाहन दौड़ाए जाते हैं, जिससे यात्रियों की सुरक्षा खतरे में पड़ जाती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि डग्गामार वाहनों का संचालन लंबे समय से हो रहा है, लेकिन परिवहन विभाग की ओर से प्रभावी कार्रवाई नहीं होने के कारण इनके संचालकों के हौसले बुलंद हैं। लोगों का आरोप है कि समय-समय पर औपचारिक अभियान तो चलाए जाते हैं, लेकिन कुछ दिनों बाद स्थिति फिर पहले जैसी हो जाती है। गोवर्धन चौराहा और उसके आसपास का क्षेत्र डग्गामारी का स्थायी केंद्र बनता जा रहा है।

चर्चा यह भी है कि कई पुलिसकर्मी स्वयं इन डग्गामार बसों से यात्रा करते दिखाई देते हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बस संचालक पुलिसकर्मियों का विशेष सम्मान करते हुए उन्हें हाथ पकड़कर बसों में बैठाते हैं। ऐसे दृश्य आम लोगों के बीच चर्चा का विषय बने हुए हैं और इससे कार्रवाई की निष्पक्षता पर भी सवाल उठ रहे हैं।

लोगों का कहना है यदि बिना परमिट चलने वाले वाहनों पर नियमित और सख्त कार्रवाई की जाए, बस अड्डों और प्रमुख चौराहों पर लगातार निगरानी रखी जाए तो डग्गामारी पर काफी हद तक अंकुश लगाया जा सकता है। फिलहाल जिले में रोडवेज जैसी रंग-रूप वाली बसों और अन्य डग्गामार वाहनों का संचालन बदस्तूर जारी है, जबकि यात्री सुरक्षित और वैध सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था की मांग कर रहे हैं। इस बारे में रोडवेज अधिकारी जल्द संभागीय परिवहन विभाग से मिलकर कार्रवाई करने का दावा कर रहे हैं।

गिरफ्तार दरोगा के साथी हिस्ट्रीशीटर पुलिस पकड़ से दूर

सर्वलांस,एसओजी और पुलिस की टीम भी नहीं लगा सकी पता

एक माह से अधिक का समय होने पर भी पुलिस के हाथ खाली

यूनिक समय, मथुरा। थाना जैंत की पुलिस चौकी चारधाम प्रभारी शंशाक कौशिश को भ्रष्टाचार और रंगदारी वसूलने के मामले में जेल गए एक माह से अधिक का समय बीत चुका है। इसके बाद भी उसके साथी हिस्ट्रीशीटर 25 हजार के इनामी दोनों अपराधियों का पुलिस की टीमें अभी तक कोई सुराग नहीं लगा सकी है।

गौरतलब है कि चारधाम चौकी का चार्ज लेने के बाद शशांक कौशिक अपने साथी हिस्ट्रीशीटर रोहताश उर्फ विशाल निवासी गांव दुमेड़ी थाना इगलास जिला अलीगढ़ और छोटू सोलंकी को अपने साथ अवैध वसूली आदि के लिए लाए थे। इन लोगों ने चार धाम मंदिर के समीप दुकान लगाने वालों पर रंगदारी और चौकी प्रभारी का दबाव बनाते हुए 15 हजार रुपये की रंगदारी वसूलने के लिए दुकानदारों को परेशान करना शुरू कर दिया। इस मामले में 10 जून को छटीकरा निवासी मनोज गौतम ने चौकी इंचार्ज और उसके साथियों के खिलाफ प्रार्थना पत्र अधिकारियों को देकर कार्रवाई की मांग की गई। जांच में मामला सही पाए जाने पर थाना जैंत में चौकी प्रभारी शशांक कौशिक और उसके दोनों साथी हिस्ट्रीशीटरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया। चौकी इंचार्ज को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

इस दौरान दोनों हिस्ट्रीशीटरों को अपने खिलाफ मुकदमा दर्ज होने की जानकारी लगी तो दोनों फरार हो गए।

एसएसपी ने दोनों हिस्ट्रीशीटरों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमों, सर्विलास और एसओजी को लगाया गया, लेकिन एक माह से अधिक का समय बीतने के बाद भी पुलिस टीम दोनों हिस्ट्रीशीटरों के बारे में पता तक नहीं लगा सकी है। पुलिस की ओर से उनकी गिरफ्तारी पर पच्चीस-पच्चीस हजार रुपये का इनाम घोषित है। पुलिस जनपद में किसी तरह की कोई घटना होने पर तुरंत कार्रवाई करके अपराधियों को मुठभेड़ में गोली मारकर घायल करने के बाद गिरफ्तार कर लेती है। देखना यह है कि पुलिस इन दोनों भागे हुए हिस्ट्रीशीटरों को कबतक गिरफ्तार कर पाती है।

मथुरा जंक्शन पर 3.65 किलो गांजे के साथ तस्कर गिरफ्तार

जीआरपी, आरपीएफ और टीओपीबी की संयुक्त कार्रवाई

बिहार का रहने वाला है दबोचा गया आरोपी

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा जंक्शन रेलवे स्टेशन पर जीआरपी ने अवैध गांजे की तस्करी करने वाले एक युवक को गिरफ्तार किया है। उसके पास से 3.650 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ है, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 85 हजार रुपये बताई गई है। पुलिस महानिदेशक रेलवे के निर्देश पर अपराध और अवैध तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत जीआरपी , आरपीएफ मथुरा जंक्शन और आरपीएफ आगरा कैंट/टीओपीबी की संयुक्त टीम रेलवे स्टेशन पर सघन चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर की सूचना पर प्लेटफॉर्म संख्या-2 के फुट ओवरब्रिज से एक संदिग्ध युवक को पकड़ लिया गया। तलाशी लेने पर उसके बैग से 3.650 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ। बरामदगी के आधार पर जीआरपी थाना मथुरा जंक्शन में मुकदमा एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज किया गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान अमन पुत्र अनिल सिंह, निवासी ग्राम बेलकुंडा, थाना जलालपुर, जिला सारण छपरा बिहार के रूप में हुई है। यह कार्रवाई थाना जीआरपी मथुरा जंक्शन के प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार सिंह, उपनिरीक्षक अमित कुमार बालियान (चौकी प्रभारी जीआरपी मथुरा छावनी) और जीआरपी और आरपीएफ की संयुक्त टीम ने की।

रेलवे ट्रेक पर मिला अज्ञात शव

यूनिक समय, मथुरा। थाना राया क्षेत्र स्थित रेलवे ट्रेक से पुलिस ने एक अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद किया है। उसके ट्रेन से गिरने की आशंका जाहिर की जा रही हैं।

पुलिस के अनुसार, राया -मथुरा रेलवे ट्रेक पर पोल नंबर 339/4 और 337/5 के बीच रेलवे लाइन के किनारे एक पैंतीस साल के अज्ञात व्यक्ति का शव पड़ा मिला है। पुलिस को उसके नजदीक से एक बैग मिला जो खाली था। इसके साथ ही मृतक की तलाशी की गई तो उसके पास से कोई भी ऐसी वस्तु बरामद नहीं हुई जिससे उसकी शिनाख्त हो पाती। मृतक ने सफेद काली छींट की शर्ट और क्रीम कलर की पैंट पहन रखी है। प्रथमदृष्टा इस बात की आशंका जाहिर की जा रही है कि संभवत् वह किसी ट्रेन से गिरा है। पुलिस ने शव का पचंनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। शव की शिनाख्त के प्रयास कर रही है।

आ गए राजनीति चमकाने के दिन

चुनाव की आहट से दिखाई देने लगे नए-नए चेहरे

यूनिक समय, मथुरा। विधानसभा चुनाव की आहट से अब जिले में राजनीति चमकाने के दिन आ गए हैं। जिले की पांच विधानसभा क्षेत्रों में जनता की सेवा के संकल्पों को लेकर होर्डिग्स दिखाई देने लगे हैं। कई लोगों ने ऐसी प्रस्तुति की कि मानों उनको ही टिकट मिल गया हो या मिलने वाला हो।

मथुरा-वृंदावन,छाता, गोवर्धन, गोकुल और मांट विधानसभा क्षेत्रों में आने वाले चुनाव को लेकर सरगर्मियां शुरु हो गई है। दावेदार अभी से अपने चेहरे चमकाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। हर क्षेत्र में बड़े होर्डिग्स इन चेहरों के दिखाई दे रहे हैं। मानो इनकी टिकट पक्की हो गई हो। वैसे देखा जाए तो न भी विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान हुआ है और न ही सरकार की ओर से कोई तैयारियां। सब कुछ कयासबाजी के आधार पर चल रहा है। वैसे देखा जाए राष्ट्रीय और प्रादेशिक स्तर भाजपा-रालोद का गठबंधन है। सपा-कांग्रेस के बीच सीटों को लेकर मंथन चल रही है। बसपा तैयारियों में लगी दिखाई दे रही है। इन संकेतों के बीच कुछ पार्टी के कार्यकर्ताओं ने इस तरह से प्रचार शुरु कर दिया कि आखिरी फैसला हो चुका है और वही चुनाव मैदान में होंगे। कई दावेदार तो शीर्ष नेताओं से नजदीकियां बढ़ाते देखे गए हैं। यह तो आने वाला समय ही बताएगा कि कौन किस दल का प्रत्याशी होगा। किंतु दावेदारों ने जनता के बीच जाकर अपना संपर्क शुरु कर दिया है।

NABH PRE ACCREDITED

अब दिल का इलाज हुआ और भी आसान, मथुरा का सबसे विश्वसनीय

QCI QUALITY COUNCIL OF INDIA Creating an Ecosystem for Quality

हृदय रोग संस्थान

प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना आयुष्मान भारत PM-JAY

आयुष्मान कार्ड धारकों का निशुल्क इलाज

अगर आप महसूस कर रहे हैं ये लक्षण तो बिना देरी किए चिकित्सीय परामर्श एवं इलाज लें

जैसेः-बेचैनी, घबराहट, सीने में जकड़न, भारीपन व दवाब महसूस होना, सांस लेने में तकलीफ या सांस फूलना, ठंडा पसीना आना, चक्कर आना, गले में घुटन सी होना, आंखों के सामने अंधेरा होना, बांऐ हाथ या कंधे में दर्द होना, गर्दन या पीठ के बीच में दर्द होना

DR. ACHAL SHARMA
DM Cardiology (KEM Mumbai)
DrNB cardiology, DNB Gen Medicine

ओ.पी.डी. प्रातः 9 बजे से सायं 4 बजे तक 24X7 आपातकालीन

फ्री | ओ.पी.डी. | ई.सी.जी ब्लड शुगर की जाँच

TEST	MARKET RATE	OUR RATE
ECHO	2500	1000
TMT	1500	500
Holter	2000	1500
Angiography	10000	7000
Angioplasty	140000	90000 (Stent charge Extra)
Pacemaker (TPI)	15000	9000

हेल्थ इंश्योरेन्स से कैशलेस इलाज की सुविधा | भारतीय रेलवे से सम्बद्ध | ECHS की सुविधा

अन्य सुविधाएं
- Angioplasty, Angiography
- Heart Failure Management
- Pediatric Cardiac Intervention/ Coarctoplasty (छाती में बिना चीरा लगाए दिल के छेद को बन्द करना) Volvuloplasties, BMV
- 2D ECHO (Adult, Pediatric, Fetal DSE, Strain, Tee)
- Cardiac ICU with all modern facilities
- Cardial Catheterization

के.डी. मेडिकल कॉलेज हॉस्पीटल एण्ड रिसर्च सेंटर
अकबरपुर, छाता, मथुरा हैल्पलाइन नं. 7055400400, 7088105741

आस्था का पथ है गोवर्धन की 21 किलोमीटर परिक्रमा

गिरिराजजी की परिक्रमा के लिए वर्षभर उमड़ते हैं श्रद्धालु

मानसी गंगा से पूंछरी तक बिखरी हैं श्रीकृष्ण की दिव्य लीलाएं

यूनिक समय, मथुरा। ब्रज मंडल की सबसे पवित्र धार्मिक यात्राओं में शामिल गोवर्धन परिक्रमा देश-विदेश के करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है। लगभग 21 किलोमीटर लंबी यह परिक्रमा केवल धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि भगवान श्रीकृष्ण के प्रति अटूट श्रद्धा, भक्ति और भारतीय सांस्कृतिक विरासत का जीवंत प्रतीक मानी जाती है। वर्षभर श्रद्धालु नंगे पांव गिरिराजजी की परिक्रमा कर सुख, शांति और समृद्धि की कामना करते हैं, जबकि गुरु पूर्णिमा, कार्तिक मास, मुड़िया पूर्णिमा और अन्य प्रमुख पर्वों पर यहां श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ता है।

धार्मिक मान्यता के अनुसार, भगवान श्रीकृष्ण ने इंद्र के अभिमान को समाप्त करने और ब्रजवासियों की रक्षा के लिए गोवर्धन पर्वत को अपनी कनिष्ठिका अंगुली पर सात दिनों तक धारण किया था। तभी से गिरिराजती को भगवान श्रीकृष्ण का साक्षात स्वरूप माना जाता है। श्रद्धालु श्रद्धाभाव से परिक्रमा कर भगवान का आशीर्वाद प्राप्त करने की कामना करते हैं।

परिक्रमा मार्ग पर अनेक प्रमुख धार्मिक स्थल श्रद्धालुओं की आस्था के केंद्र हैं। मानसी गंगा को अत्यंत पवित्र माना जाता है। मान्यता है कि इसका प्राकट्य भगवान श्रीकृष्ण के मन से हुआ था। दानघाटी मंदिर वह स्थान माना जाता है, जहां श्रीकृष्ण ने गोपियों से दान मांगा था। मुखारविंद में गिरिराजजी के मुखस्वरूप की पूजा की जाती है, जहां श्रद्धालु दूध, जल और पुष्प अर्पित करते हैं।

राधाकुंड और श्यामकुंड ब्रज के सबसे पवित्र तीर्थों में गिने जाते हैं। मान्यता है कि यहां स्नान और पूजा-अर्चना करने से पुण्य की प्राप्ति होती है और राधा-कृष्ण की विशेष कृपा मिलती है। इसके अलावा कुसुम सरोवर अपनी धार्मिक महत्ता, भव्य स्थापत्य और प्राकृतिक सौंदर्य के लिए प्रसिद्ध है। वहीं, पूंछरी का लौठा परिक्रमा का अंतिम प्रमुख पड़ाव माना जाता है, जहां दर्शन के बाद परिक्रमा पूर्ण मानी जाती है। जतीपुरा में गिरिराज महाराज की विशेष पूजा और अन्नकूट महोत्सव का आयोजन भी श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहता है।

गोवर्धन परिक्रमा श्रद्धालुओं को भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं का स्मरण कराते हुए सेवा, प्रकृति संरक्षण, श्रद्धा और मानवता का संदेश देती है। यही कारण है कि यह परिक्रमा आज भी ब्रज की आध्यात्मिक पहचान का सबसे महत्वपूर्ण प्रतीक बनी हुई है।

मुड़िया मेले पर भिखारी गिरोहों की नजर ठिकानों की 'बुकिंग' शुरू

श्रद्धालुओं की भीड़ के बीच सक्रिय होने लगे संगठित भिक्षावृत्ति गिरोह

पांच हजार से अधिक भिखारियों के पहुंचने की चर्चा, प्रशासन की बढ़ी चिंता

यूनिक समय, मथुरा। गोवर्धन में 23 जुलाई से लगने वाले विश्व प्रसिद्ध मुड़िया पूर्णिमा मेले की तैयारियों के बीच अब संगठित भिक्षावृत्ति गिरोहों की गतिविधियां भी तेज होने लगी हैं। जहां एक ओर प्रशासन सुरक्षा, यातायात और भीड़ प्रबंधन की तैयारियों में जुटा है, वहीं दूसरी ओर भीख मंगवाने वाले गिरोह भी परिक्रमा मार्ग और प्रमुख मंदिरों के आसपास अपने ठिकाने तय करने में लग गए हैं। सूत्रों के अनुसार, मेले में सबसे अधिक भीड़ वाले स्थानों को पहले से चिन्हित कर उन पर कब्जा जमाने की कोशिशें शुरू हो चुकी हैं।

जानकारी के अनुसार, उत्तर प्रदेश के अलावा बिहार, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, राजस्थान और मध्य प्रदेश सहित कई राज्यों से महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को भीख मांगने के लिए लाने की तैयारी चल रही है। बताया जा रहा है कि गिरोहों के सदस्य इन लोगों को परिक्रमा मार्ग, दानघाटी मंदिर, मानसी गंगा और अन्य भीड़भाड़ वाले स्थानों पर बैठाते हैं और दिनभर में मिलने वाली भीख का बड़ा हिस्सा अपने पास रख लेते हैं। भीख मांगने वालों को केवल भोजन और मामूली रकम ही मिल पाती है।

टाउनशिप अंडरपास के नीचे बैठा एक परिवार, इस परिवार के कई बच्चे और किशोरी आसपास भीख मांगते देखे जा सकते हैं।

स्थानीय स्तर पर चर्चा है कि अब तक पांच हजार से अधिक भिखारी मथुरा जनपद में पहुंच चुके हैं। फरह, टाउनशिप, मथुरा शहर और आसपास के क्षेत्रों में इनकी मौजूदगी देखी जा रही है। ऐसे भिखारी हाइवे किनारे और फुटपाथों पर शरण लिए हुए हैं। वहीं मेले के दौरान भिखारियों की संख्या कई गुना बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। कुछ स्थानीय अनुमान 50 हजार या उससे अधिक लोगों के पहुंचने की बात कहते हैं, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि धार्मिक आस्था के इस महापर्व में संगठित भिक्षावृत्ति पर प्रभावी अंकुश लगाना भी प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती होगी।

लोगों ने मांग की है कि सुरक्षा व्यवस्था के साथ ऐसे गिरोहों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि श्रद्धालुओं की आस्था का लाभ उठाकर किसी प्रकार का अवैध नेटवर्क सक्रिय न हो सके।

मुड़िया पूर्णिमा से पहले गुरू परंपरा की तैयारिया,ब्रज में उमड़ेगी श्रद्धा

23 जुलाई से शुरू होगा मुडिया पूर्णिमा मेला

वृंदावन, गोवर्धन, मथुरा, रमणरेती और बलदेव के आश्रमों में तैयारियां तेज

यूनिक समय, मथुरा। ब्रज में 23 जुलाई से शुरू होने वाले मुडिया पूर्णिमा मेले को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। मेले से पहले के दिन गुरु-शिष्य परंपरा के लिए बहुत खास माने जाते हैं। इस दौरान देश के अलग-अलग राज्यों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु अपने गुरु के दर्शन करने, उनका आशीर्वाद लेने और श्रद्धा के साथ गुरु दक्षिणा अर्पित करने के लिए ब्रज पहुंचते हैं। मथुरा, वृंदावन, गोवर्धन, रमणरेती और बलदेव के आश्रमों में इन दिनों चहल-पहल बढ़ने लगी है। संत-महात्माओं ने श्रद्धालुओं के स्वागत की तैयारियां शुरू कर दी हैं। आश्रमों की साफ-सफाई कराई जा रही है। सत्संग स्थलों को सजाया जा रहा है। श्रद्धालुओं के बैठने, पेयजल, प्रसाद और अन्य जरूरी व्यवस्थाएं भी की जा रही हैं।

हर साल मुडिया पूर्णिमा के मौके पर लाखों श्रद्धालु अपने गुरु का आशीर्वाद लेने ब्रज आते हैं। मान्यता है कि गुरु का आशीर्वाद जीवन में सुख, शांति और सही मार्ग दिखाता है। इसी आस्था के कारण श्रद्धालु अपने गुरु के चरणों में पहुंचकर आशीर्वाद लेते हैं और अपनी श्रद्धा के अनुसार गुरु दक्षिणा अर्पित करते हैं। यह परंपरा वर्षों से चली आ रही है और आज भी पूरी श्रद्धा के साथ निभाई जाती है।

मुडिया पूर्णिमा के दौरान गोवर्धन परिक्रमा का भी विशेष महत्व होता है। देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु गिरिराज महाराज की सात कोस परिक्रमा करने आते हैं। इसे देखते हुए आश्रमों और मंदिरों में तैयारियां तेज कर दी गई हैं, ताकि आने वाले श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी न हो।

भक्त सतीश कुमार का कहना है कि गुरु का स्थान जीवन में सबसे ऊं चा माना गया है। गुरु ही ज्ञान, संस्कार और सही राह दिखाते हैं। वहीं भक्त गोपल कुमार ने बताया कि मुडिया पूर्णिमा से पहले ब्रज में श्रद्धा और भक्ति का माहौल बनता जा रहा है। पूरे ब्रज में धार्मिक उत्साह और रौनक बढ़ती जा रहीं है।

अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद की कार्यकारिणी घोषित

यूनिक समय,मथुरा। अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद का वार्षिक सम्मेलन एक स्थानीय होटल में आयोजित किया गया। जिसमें नई कार्यकारिणी घोषित की गई। संगठन के जिलाध्यक्ष चौधरी रामपाल सिंह और मुख्य अतिथि सेवा निवृत्त ब्रिगेडियर भुवनेश चौधरी ने नई कार्यकारिणी की घोषणा करते हुए सभी पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पूर्व सैनिकों का यह संगठन राष्ट्रीय स्वयं सेवक के घटक दल के रूप में राष्ट्रीय स्तर पर राष्ट्र निर्माण के लिए कार्य कर रहा है। संचालन करते हुए डॉ.रमेश चन्द पूर्व जेसीओ ने कहा कि जिनकों यह दायित्व मिला है वो अपना कार्य मन से करेगें। यह कार्य को राष्ट्रहित सर्वोपरि की भावना से कार्य करना है। इस मौके पर एसके सिंह,बलबीर सिंह, राजेश, श्रीनिवास शर्मा, राजबीर, विजयपाल, भगवान सिंह, नेपाल सिंह, हरिओम, राजबहादुर, विक्रम सिंह, लाल चन्द कुशवाहा, ओमवीर सिंह, शिवगणेश, दिनेश, योगेश, उदयवीर आदि उपस्थित रहे।

डॉ. धर्मेंद्र पौनिया की संबद्धता समाप्त संयुक्त चिकित्सालय वृंदावन में तैनाती

यूनिक समय, मथुरा। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने प्रशासनिक आदेश जारी करते हुए चिकित्सा अधिकारी डॉ. धर्मेंद्र पौनिया की प्रा.स्वा.केंद्र नौगांव से संबद्धता तत्काल प्रभाव से जनपद न्यायालय से समाप्त कर दी है। अग्रिम आदेशों तक संयुक्त चिकित्सालय, वृंदावन में चिकित्सीय सेवाएं देने के निर्देश दिए गए हैं। सीएमओ के आदेश के अनुसार, डॉ. धर्मेंद्र पौनिया का वेतन पूर्व की तरह उनकी मूल तैनाती प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नौगांव से ही आहरित किया जाएगा। वहीं, डॉ. मेघश्याम गौतम (आयुष चिकित्सक) पूर्व की भांति जनपद न्यायालय में चिकित्सीय कार्य करते रहेंगे।

ब्रज स्वच्छता का संदेश देने गोकुल पहुंचे 350 स्वयंसेवक

महाअभियान के तहत चिंता हरण महादेव घाट और नंद भवन परिसर में किया श्रमदान

इनसे सीखो... स्वच्छता अभियान के दौरान कचरा एकत्र करने में सहयोग करता बाल स्वयंसेवक। अभियान के दौरान इस बच्चे को हर किसी ने सराहा।

चिंताहरण महादेव घाट पर स्वच्छता अभियान में शामिल स्वयंसेवक।

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद, जिला प्रशासन और हार्टफुलनेस के संयुक्त तत्वावधान में चल रहे 'हम सबने यह ठाना है, ब्रज को स्वच्छ बनाना है' महाअभियान के तहत रविवार को महावन स्थित चिंता हरण महादेव घाट और नंद भवन (84 खंभा) परिसर में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान में 350 से अधिक स्वयंसेवकों ने श्रमदान कर स्वच्छ ब्रज का संदेश दिया।

अभियान की विशेषता यह रही कि स्वयंसेवक केवल मथुरा ही नहीं, बल्कि दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, आगरा, अलीगढ़, इटावा, हाथरस और भरतपुर सहित कई शहरों से सेवा भाव लेकर गोकुल पहुंचे। उन्होंने धार्मिक स्थलों की सफाई करने के साथ श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों को स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया।

अभियान का नेतृत्व ब्रज तीर्थ विकास परिषद के डिप्टी सीईओ सतीश चंद्र ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ हार्टफुलनेस ध्यान से हुआ, जिसके बाद स्वयंसेवकों ने दोनों स्थलों पर व्यापक सफाई अभियान चलाया। अभियान के दौरान एकत्रित कूड़े का जेसीबी और ट्रैक्टर-ट्रॉली की सहायता से निस्तारण कराया गया। हार्टफुलनेस के मथुरा समन्वयक निशांत शर्मा ने कहा कि आंतरिक शुद्धि और बाहरी स्वच्छता एक-दूसरे की पूरक हैं। वहीं, उत्तर प्रदेश रीजनल कोऑर्डिनेटर अनुपम अग्रवाल ने सिंगल यूज प्लास्टिक से बचने और पर्यावरण संरक्षण को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया।

अभियान के अंत में सभी स्वयंसेवकों ने ब्रज को स्वच्छ, सुंदर और प्रदूषण मुक्त बनाए रखने का संकल्प लिया। इस अवसर पर सुरेंद्र शर्मा, योगेंद्र कुमार, प्रीति भान, केपी सिंह, नीरज निगम, रश्मी, रमेश वर्मा, आरपी शर्मा, डॉ. पंकज गुप्ता, डॉ. ज्ञानेंद्र, रक्षा सिंह सहित अनेक स्वयंसेवकों ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

हंसता आईना

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालय:- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक-पवन गौतम

फोन नंबर-0565-3550761

मो. 9837155888

E-mail : uniquesamaynews@gmail.com

website : uniquesamay.com

RNI-UPHIN/2023/85053

DAVP-: 134220

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

वीकेंड पर आस्था का सैलाब वृंदावन की कुंज गलियां फुल

भीषण भीड़ और जाम के बीच दर्शन के लिए घंटों जूझते रहे श्रद्धालु

इंटरनेट मीडिया पर वायरल हुए कुंज गलियों की अव्यवस्था के वीडियो

यूनिक समय, मथुरा। सप्ताहांत पर वृंदावन में श्रद्धालुओं का ऐसा सैलाब उमड़ा कि धर्मनगरी की व्यवस्था पूरी तरह लड़खड़ाती नजर आई। बांके बिहारी मंदिर सहित प्रमुख मंदिरों में दर्शन के लिए हजारों श्रद्धालु पहुंचने से कुंज गलियां पूरी तरह फुल पैक हो गईं। हालात यह रहे कि कई स्थानों पर लोगों को कदम–कदम पर रुकना पड़ा और दर्शन के लिए घंटों इंतजार करना पड़ा। उमस भरे मौसम और धक्का–मुक्की के बीच श्रद्धालुओं को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

सबसे अधिक दबाव बांके बिहारी मंदिर की ओर जाने वाले मार्गों और आसपास की संकरी कुंज गलियों में देखने को मिला। गलियों में लोगों की इतनी भीड़ थी कि पैदल निकलना भी मुश्किल हो गया। छोटे बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को सबसे अधिक परेशानी झेलनी पड़ी। कई श्रद्धालु भीड़ के कारण बीच रास्ते में ही रुक गए और पुलिस और स्वयंसेवकों की मदद से आगे बढ़ सके।

श्रद्धालुओं की भारी आमद का असर शहर के यातायात पर भी पड़ा। वृंदावन के प्रमुख प्रवेश मार्गों और पार्किंग स्थलों के आसपास वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। भीषण जाम के कारण स्थानीय लोगों और बाहर से आने वाले यात्रियों को घंटों तक फंसे रहना पड़ा। कई श्रद्धालुओं ने वाहन दूर खड़े कर पैदल ही मंदिरों तक पहुंचने का प्रयास किया।

रविवार को कुंज गलियों में उमड़ी भीड़ के वीडियो और तस्वीरें इंटरनेट मीडिया पर तेजी से वायरल होती रहीं। इन वीडियो में गलियों में खचाखच भरी भीड़, धीमी गति से आगे बढ़ते श्रद्धालु और अव्यवस्थित यातायात की तस्वीरें साफ दिखाई दीं। इंटरनेट मीडिया पर कई लोगों ने भीड़ प्रबंधन और यातायात व्यवस्था को लेकर सवाल भी उठाए।

स्थानीय लोगों का कहना है कि सप्ताहांत और अवकाश के दिनों में वृंदावन में श्रद्धालुओं की संख्या कई गुना बढ़ जाती है।

ऐसे में भीड़ नियंत्रण, पार्किंग व्यवस्था, यातायात संचालन और सुरक्षा के लिए अतिरिक्त इंतजाम किए जाने की आवश्यकता है। श्रद्धालुओं ने भी प्रशासन से बेहतर भीड़ प्रबंधन और सुचारु यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है, ताकि भविष्य में दर्शन के दौरान ऐसी अव्यवस्था का सामना न करना पड़े।

श्रद्धा स्मरण

भास्कर अपना प्रकाश
सम्पूर्ण आकाश में फैलाता है
परन्तु अपनी तपिश
अपने ही पास रखता है।

आपका अविस्मरणीय
व्यक्तित्व देता है प्रेरणा
अच्छा बनो! अच्छा करो !
दयालु रहो! उदार बनो।

इसी राह पर चल रहे हैं हम
अविचल, अविरल ।

स्वर्गीय श्री अशोक मित्तल
द्वादशम् पुण्य स्मरण
02.02.1951-13.07.2014

अशोका पेपर
परिवार, मथुरा

स्व.श्री जगदीशप्रसाद खण्डेलवाल

उठावनी

अत्यन्त दुःख के साथ सूचित किया जाता है कि हमारे पूज्य पिताजी श्री जगदीशप्रसाद खण्डेलवाल (जग्गो सेठ)(कला भवन वाले) का गोलोकवास दिनांक 11.07.26 को हो गया है। उठावनी आज दिनांक 13.07.26 दिन सोमवार को महिलाओं/पुरूषों की सायं 4 से 5 बजे तक राधेश्याम सेवा सदन, गौड़ीय मठ के सामने, राधाकुण्ड रोड़ गोवर्धन (मथुरा) पर होगी।

शोकाकुलः- गंगाराम खण्डेलवाल, राधेलाल खण्डेलवाल, भगवानदास खण्डेलवाल, दिनेश खण्डेलवाल, प्रदीप खण्डेलवाल (भ्रातागण) सुनील खण्डेलवाल, विष्णु खण्डेलवाल (चौबे जी) (पुत्रगण) कृष्णकान्त खण्डेलवाल, अतिन खण्डेलवाल, दिव्यांशु खण्डेलवाल (पौत्रगण) एवं समस्त ठाकुरिया परिवार।

प्रतिष्ठानः • सुनील मैडीकल स्टोर • खण्डेलवाल मैडीकल स्टोर • हिंदुस्तान सैनेट्री, मथुरा सम्पर्क सूत्रः 9045951851, 9997836230

होटल समेत आठ स्थानों पर पकड़ी बिजली चोरी

बिजली चोरी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में शामिल संयुक्त टीम।

विजिलेंस टीम की कार्रवाई से मचा हड़कंप

यूनिक समय, मथुरा। बिजली चोरी रोकने और राजस्व बढ़ाने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत विद्युत प्रवर्तन दल (विजिलेंस) और रेड्स टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए होटल समेत आठ स्थानों पर बिजली चोरी पकड़ी। सभी मामलों में विभागीय कार्रवाई शुरू कर दी गई है और आरोपियों पर लाखों रुपये का जुर्माना लगाया गया है। मुख्यालय के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत विजिलेंस प्रभारी अरुण कुमार, अवर अभियंता (जेई) किशन कुमार, उपनिरीक्षक धीरेन्द्र पाल सिंह और टीम के अन्य सदस्यों ने रिफाइनरी गेट नंबर–9 स्थित एक वाणिज्यिक विद्युत कनेक्शन की जांच की। जांच के दौरान होटल मोहित पैलेस में चेंजओवर के माध्यम से बिजली चोरी करते हुए पाया गया। मौके पर लगभग 12 किलोवाट का अवैध विद्युत भार मिला। साथ ही विजिलेंस टीम ने रेड्स टीम के सहायक अभियंता सतेन्द्र कुमार, जेई पवन कुमार और अन्य कर्मचारियों के साथ हाई लाइन लॉस फीडर क्षेत्र राल में अभियान चलाया। यहां सात अन्य स्थानों पर भी बिजली चोरी पकड़ी गई, जहां करीब 19 किलोवाट का अवैध विद्युत भार मिला। सभी मामलों की रिपोर्ट तैयार कर उच्च अधिकारियों को भेज दी गई है।

गोवर्धन में स्वच्छता जागरूकता अभियान के तीसरे चरण की शुरुआत

परिक्रमा मार्ग पर स्वच्छता अभियान चलाते बाबा कढ़ेरा सिंह विद्या मंदिर के शिक्षक।

यूनिक समय, गोवर्धन। बाबा कढ़ेरा सिंह विद्या मंदिर के सहयोग से चलाए जा रहे स्वच्छता जागरूकता अभियान के तीसरे चरण के तहत रविवार को 17 वें साप्ताहिक सफाई अभियान का आयोजन किया गया। इस दौरान गोवर्धन परिक्रमा मार्ग पर खंभा नंबर 385 से 415 तक सफाई की गई।

शुभारंभ विद्यालय के चेयरमैन सुरेश सिंह, प्रबंधक प्रह्लाद सिंह, डॉ. अशोक, हरिओम, कोऑर्डिनेटर विपिन सिंह, ओमप्रकाश और रामानंद ने किया। चेयरमैन ने कहा कि संस्था का मुख्य उद्देश्य गोवर्धन पर्वत परिक्रमा मार्ग को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखना है। विद्यालय के शिक्षक और कर्मचारी प्रत्येक रविवार को इस पुनीत कार्य में सेवा दे रहे हैं। प्रबंधक ने कहा कि गोवर्धन पर्वत परिक्रमा मार्ग करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है। इस अवसर पर अशोक, हरिओम, विपिन सिंह, ओमप्रकाश, रामानंद, दाऊ जी पंडित, ऋषि पंडित,उधम, हरिराम, मनोज, वेदप्रकाश, जगदीश, महेश, भोला पंडित, सत्यपाल सहित अनेक लोगों ने स्वच्छता अभियान में श्रमदान कर अपना योगदान दिया।

कार्यकर्ताओं को दी डिजिटल प्लेटफॉर्म की जानकारी

डिजिटल प्रशिक्षण महाभियान का शुभारंभ करते हुए जिलाध्यक्ष निर्भय पांडेय,श्याम चतुर्वेदी और पार्टी के पदाधिकारी।

भाजपा के दीनदयाल मंडल में डिजिटल प्रशिक्षण महाभियान की बैठक हुई

यूनिक समय, मथुरा। भारतीय जनता पार्टी के दीनदयाल मंडल में पं. दीनदयाल उपाध्याय डिजिटल प्रशिक्षण महाभियान के तहत बैठक आयोजित की गई। बैठक जिलाध्यक्ष निर्भय पांडे के सानिध्य और मंडल अध्यक्ष पारस ठाकुर की अध्यक्षता में हुई। जिला मीडिया प्रभारी- दीनदयाल मंडल प्रभारी श्याम चतुर्वेदी ने कार्यकर्ताओं को नमो ऐप, बीजेपी सरल ऐप और इंटरनेट मीडिया के बारे में लोगों को जानकारी दी। उन्होंने डिजिटल माध्यमों के जरिए केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं, पार्टी की नीतियों को आम जनता तक पहुंचाने के तरीके भी बताए।

जिलाध्यक्ष निर्भय पांडे ने कहा कि वर्तमान समय सूचना प्रौद्योगिकी का युग है और प्रत्येक कार्यकर्ता का डिजिटल रूप से दक्ष होना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि पार्टी का लक्ष्य प्रत्येक बूथ पर 11 डिजिटल कार्यकर्ता तैयार करना है, ताकि संगठन को बूथ स्तर पर और अधिक मजबूत बनाया जा सके। बैठक में कार्यकर्ताओं ने डिजिटल प्रशिक्षण पूरा कर प्रमाणपत्र प्राप्त करने और बूथ स्तर पर संगठन को और अधिक सशक्त बनाने का संकल्प लिया। संचालन मंडल महामंत्री हरिशंकर दीक्षित ने किया। बैठक का समापन संगठन को डिजिटल रूप से मजबूत बनाने के संकल्प के साथ किया। बैठक में जिला उपाध्यक्ष जगमोहन पाठक, जिला महामंत्री सतपाल चौधरी,सुरेश सहित मंडल पदाधिकारी, मोर्चा अध्यक्ष, बूथ अध्यक्ष और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन में 100 से अधिक मेधावी हुए सम्मानित

प्रतिभाओं का बढ़ाया उत्साह

अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन द्वारा आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह में मेधावियों को सम्मानित करते जीएलए के सीएफओ डा. विवेक अग्रवाल व अन्य।

यूनिक समय, मथुरा। अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन, मथुरा द्वारा अग्रवाटिका, मसानी में आयोजित मेधावी प्रतिभा सम्मान–2026 समारोह में वैश्य समाज के 100 से अधिक मेधावी छात्र–छात्राओं का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ श्रीरामलीला सभा के महामंत्री मूलचंद गर्ग, उपाध्यक्ष जुगल किशोर, राष्ट्रीय संरक्षक अजयकांत गर्ग, राष्ट्रीय संयोजक शिक्षा विकास प्रकोष्ठ एवं जीएलए विश्वविद्यालय के चीफ फाइनेंस ऑफिसर तथा एनके ग्रुप के निदेशक डॉ. विवेक अग्रवाल, जिला अध्यक्ष धीरज गोयल, जिला महामंत्री अनुराग मित्तल, राधिका अग्रवाल, बबीता अग्रवाल, इशिका गर्ग, मान्यता अग्रवाल और निखिल अग्रवाल ने महाराजा अग्रसेन की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन कर किया।

समारोह में कक्षा 10 के क्रशांग अग्रवाल, कुशाग्र गुप्ता, शौर्य गर्ग, माधव अग्रवाल, कक्षा 12 के नित्या गर्ग, कृष्णा अग्रवाल, महक अग्रवाल, नमन बंसल, प्रगति अग्रवाल तथा यूपी बोर्ड की जिला टॉपर तनु अग्रवाल को सम्मानित किया गया। मूलचंद गर्ग और जुगल किशोर ने विद्यार्थियों को शिक्षा, संस्कार और निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। महिला शक्ति की राधिका अग्रवाल, बबीता अग्रवाल, इशिका गर्ग और मान्यता अग्रवाल की टीम को भी सम्मानित किया गया। समारोह में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रहीं। डॉ. विवेक अग्रवाल का विशेष सम्मान किया गया। अंत में साकेत अग्रवाल, समीक्षा अग्रवाल, दिलीप गर्ग, विनोद अग्रवाल, नितिन अग्रवाल, सीमा गोयल, अनामिका अग्रवाल, पवन अग्रवाल, सचिन अग्रवाल, राजकुमार गर्ग, विवेक गर्ग, सीए संजीव अग्रवाल, नूतन अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में समाज के गणमान्य नागरिक एवं अभिभावक उपस्थित रहे।

दो चोर गिरफ्तार, चोरी की पांच बाइक बरामद

यूनिक समय, मथुरा। हाईवे पुलिस ने दो अभियुक्तो को गिरफ्तार कर चोरी की पांच मोटरसाइकिलें बरामद की है। हाईवे पुलिस ने चोरी के मामले में वांछित चल रहे अजय और राहुल निवासी उस्फार थाना हाईवे को पेट्रोल पंप के समीप बंद पड़े एक मकान से गिरफ्तार कर उनसे चोरी की पांच बाइक बरामद की हैं।

बचपन का एडीएचडी बन सकता है गंभीर बीमारियों की वजह

यूनिक समय, नई दिल्ली। अटेंशन-डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर (एडीएचडी) को लंबे समय तक केवल लड़कों की समस्या माना जाता रहा है, लेकिन अब एक नई स्टडी ने लड़कियों को लेकर चिंता बढ़ा दी है। शोध के अनुसार, बचपन में लड़कियों में दिखाई देने वाले एडीएचडी के लक्षण यदि समय रहते पहचाने और उनका उपचार न किया जाए, तो युवावस्था में हार्ट अटैक, डायबिटीज और कई मानसिक बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। अध्ययन में 18 से 32 वर्ष की लगभग 1.20 लाख महिलाओं के स्वास्थ्य रिकॉर्ड का विश्लेषण किया गया। शोधकर्ताओं ने पाया कि जिन महिलाओं में बचपन के दौरान एडीएचडी के लक्षण मौजूद थे और जो आर्थिक एवं सामाजिक रूप से कमजोर परिस्थितियों में पली-बढ़ीं, उनमें उम्र बढ़ने के साथ एक से अधिक गंभीर शारीरिक और मानसिक बीमारियां विकसित होने का जोखिम अधिक था। विशेषज्ञों का कहना है कि लड़कियों में एडीएचडी के लक्षण अक्सर लड़कों की तुलना में कम स्पष्ट दिखाई देते हैं। वे अधिक शांत या सामान्य व्यवहार करती हैं, जिससे परिवार और स्कूल दोनों जगह इस समस्या की पहचान देर से हो पाती है। यही लापरवाही आगे चलकर स्वास्थ्य संबंधी जटिलताओं का कारण बन सकती है। शोध में यह भी सामने आया कि शिक्षा, आय, रहने का वातावरण, स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच और बचपन का तनाव जैसी सामाजिक परिस्थितियां एडीएचडी के प्रभाव को और गंभीर बना सकती हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी मानता है कि सामाजिक और आर्थिक असमानताएं कई मानसिक और शारीरिक बीमारियों के

लड़कियों में अक्सर छिपे रह जाते हैं एडीएचडी के लक्षण

जोखिम को बढ़ाती हैं। एडीएचडी एक न्यूरोडेवलपमेंटल डिसऑर्डर है, जिसमें ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई, एक जगह स्थिर न बैठ पाना, जल्दबाजी में निर्णय लेना और बार-बार ध्यान भटकना जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। यदि समय पर इलाज न मिले, तो आगे चलकर डिप्रेशन, एंग्जायटी, पोस्ट ट्रॉमैटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर (पीटीएसडी), बॉर्डरलाइन पर्सनैलिटी डिसऑर्डर जैसी मानसिक समस्याओं के साथ-साथ डायबिटीज, हृदय रोग और अन्य क्रॉनिक बीमारियों का खतरा भी बढ़ सकता है।

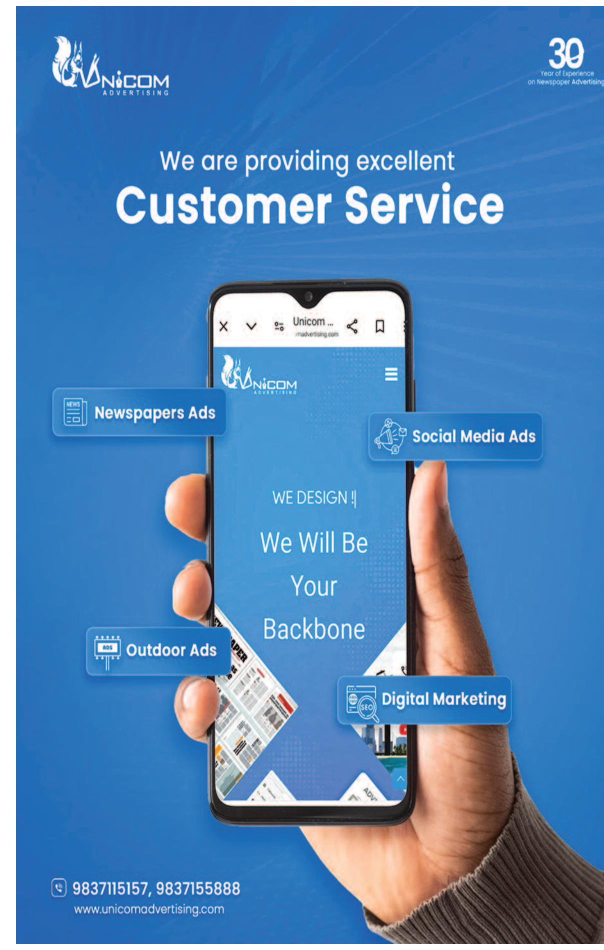

राजा सीट से देखें बादलों का अद्भुत नजारा

यूनिक समय, नई दिल्ली। कर्नाटक का खूबसूरत हिल स्टेशन कूर्ग मानसून में किसी जन्नत से कम नहीं लगता। बारिश शुरू होते ही यहां की पहाड़ियां हरियाली की चादर ओढ़ लेती हैं, झरने पूरे वेग से बहने लगते हैं और बादलों से ढकी वादियां पर्यटकों का दिल जीत लेती हैं। यही वजह है कि जुलाई से सितंबर के बीच बड़ी संख्या में पर्यटक यहां पहुंचते हैं। कूर्ग घूमने जाएं तो सबसे पहले एबे फॉल्स जरूर देखें। कॉफी के बागानों के बीच स्थित यह झरना बारिश में और भी आकर्षक हो जाता है। वहीं राजा सीट से बादलों से घिरी घाटियों और सूर्योदय-सूर्यास्त का मनमोहक दृश्य देखने को मिलता है। रोमांच पसंद करने वालों के लिए मंडलपटटी व्यू

मंडलपटटी व्यू पॉइंट पर लें जीप सफारी का रोमांच

पॉइंट खास आकर्षण है, जहां जीप सफारी का भी आनंद लिया जा सकता है। अगर आप वन्यजीवों के शौकीन हैं तो दुबारे एलीफेंट कैंप जरूर जाएं। यहां हाथियों को करीब से देखने और उनके बारे में जानने का मौका मिलता है। इसके अलावा तालकावेरी, जिसे कावेरी नदी का उद्गम स्थल माना जाता है, धार्मिक और प्राकृतिक दोनों दृष्टि से बेहद खास जगह है। मानसून में कूर्ग घूमने का सबसे अच्छा समय जुलाई से सितंबर माना जाता है। हालांकि यात्रा पर निकलने से पहले मौसम की जानकारी जरूर लें। अपने साथ रेनकोट, छाता और वाटरप्रूफ जूते रखें तथा फिसलन वाले रास्तों पर सावधानी बरतें। प्रकृति की खूबसूरती का आनंद लेते समय स्वच्छता का भी ध्यान रखें, ताकि यह हिल स्टेशन हमेशा अपनी प्राकृतिक सुंदरता बनाए रख सके।

इरफान खान के अनमोल विचार, जो बदल सकते हैं जिंदगी

यूनिक समय, नई दिल्ली। हिंदी सिनेमा के दिग्गज अभिनेता इरफान खान अपनी शानदार अदाकारी के साथ-साथ गहरी सोच और जीवन दर्शन के लिए भी याद किए जाते हैं। उनके विचार आज भी लाखों लोगों को प्रेरित करते हैं। इरफान मानते थे कि आलोचनाओं से सीखना चाहिए, क्योंकि गलत केवल इंसान ही नहीं, समय भी हो सकता है। उनका कहना था कि रिश्ते किसी गारंटी के साथ नहीं आते, इसलिए उन्हें समझदारी और विश्वास से निभाना चाहिए। उन्होंने जीवन में विनम्रता, मेहनत और धैर्य को सबसे बड़ा मंत्र माना। इरफान कहते थे कि काम पूरा होने से पहले जश्न नहीं मनाना चाहिए और अभिमान इंसान का सबसे बड़ा दुश्मन होता है। उनके अनुसार, सच्ची खूबसूरती को शब्दों की नहीं, बल्कि नजरों की सराहना की जरूरत होती है। इरफान का एक मशहूर विचार था, "किस्मत की एक खास बात होती है कि वो बदलती है।"

हाई प्रोटीन राजमा कबाब से बढ़ाएं स्वाद और सेहत

यूनिक समय, नई दिल्ली। अगर आप रोज़ाना के नाश्ते या शाम की भूख के लिए कुछ हेल्दी, टेस्टी और प्रोटीन से भरपूर विकल्प तलाश रहे हैं, तो हाई प्रोटीन राजमा कबाब एक शानदार रेसिपी हो सकती है। राजमा में मौजूद प्रोटीन और फाइबर लंबे समय तक पेट भरा रखने में मदद करते हैं, इसलिए यह वजन नियंत्रित करने वालों के लिए भी अच्छा विकल्प माना जाता है।

राजमा कबाब बनाने के लिए सबसे पहले थोड़ा घी गर्म करें। इसमें तेज पत्ता, दालचीनी, बारीक कटा अदरक और लहसुन डालकर खुशबू आने तक भूनें। इसके बाद कटे हुए प्याज डालें और सुनहरा होने तक पकाएं। अब कद्दूकस की हुई लौकी और थोड़ा नमक मिलाकर तब तक पकाएं, जब तक उसका पानी पूरी तरह सूख न जाए।

इस मिश्रण को मिक्सर में डालकर भीगे हुए काजू और उबले हुए राजमा के साथ पीस लें। तैयार पेस्ट को फिर से पैन में डालें और इसमें बेसन, गरम मसाला, कश्मीरी लाल मिर्च, कसूरी मेथी और स्वादानुसार नमक मिलाकर अच्छी तरह पकाएं। जब मिश्रण गाढ़ा होकर पैन छोड़ने लगे, तब इसे ठंडा कर लें।

अब इस मिश्रण से मनचाहे आकार के कबाब तैयार करें। एक नॉन-स्टिक पैन में हल्का तेल

राजमा से बनाएं स्वादिष्ट और हेल्दी कबाब

प्रोटीन से भरपूर, लंबे समय तक रखे पेट भरा

डालकर कबाब को दोनों तरफ से सुनहरा और कुरकुरा होने तक सेकें।

गरमागरम राजमा कबाब को हरी चटनी, दही डिप या ताज़े सलाद के साथ परोसें। यह रेसिपी बच्चों के टिफिन, शाम की चाय, पार्टी स्टार्टर या हेल्दी स्नैक के रूप में भी बेहतरीन विकल्प साबित हो सकती है। स्वाद और सेहत का यह अनोखा मेल हर उम्र के लोगों को पसंद आएगा।

हेल्दी और स्वादिष्ट स्नैक के लिए राजमा कबाब बेहतरीन विकल्प है। उबले राजमा, लौकी, प्याज, काजू, बेसन और मसालों से तैयार ये कबाब प्रोटीन और फाइबर से भरपूर होते हैं। हल्के तेल में सेंककर हरी चटनी या सलाद के साथ परोसें। वजन घटाने वालों के लिए भी यह अच्छा विकल्प माना जाता है।

एप्पल-ओपनएआई में छिड़ी कानूनी जंग

यूनिक समय, नई दिल्ली। दुनिया की दो बड़ी टेक कंपनियां एप्पल और ओपनएआई अब कानूनी लड़ाई में आमने-सामने आ गई हैं।

एप्पल ने कैलिफोर्निया की संघीय अदालत में मुकदमा दायर करते हुए आरोप लगाया है कि ओपनएआई ने उसके पूर्व कर्मचारियों की मदद से गोपनीय हार्डवेयर डेटा और व्यापारिक रहस्यों का गलत इस्तेमाल किया है। कंपनी का दावा है कि यह कोई एकल घटना नहीं, बल्कि योजनाबद्ध तरीके से बौद्धिक संपदा हासिल करने की कोशिश है। मुकदमे में एप्पल ने अपने दो पूर्व कर्मचारियों टैंग टैन और चांगू लियू का नाम लिया है। टैंग टैन पहले आईफोन, एप्पल वॉच और आईपॉड जैसे उत्पादों के विकास में अहम भूमिका निभा चुके हैं और फिलहाल ओपनएआई में चीफ हार्डवेयर ऑफिसर हैं। वहीं, चांगू लियू इलेक्ट्रिकल इंजीनियर के रूप में एप्पल से जुड़े थे। एप्पल का आरोप है कि नौकरी छोड़ने से पहले चांगू लियू ने कंपनी की कई संवेदनशील हार्डवेयर फाइलों को एक्सेस और डाउनलोड किया।

वहीं टैंग टैन पर आरोप है कि उन्होंने ओपनएआई में इंटरव्यू देने वाले कुछ एप्पल कर्मचारियों से हार्डवेयर से जुड़े वास्तविक पार्ट्स साथ लाने के लिए कहा। कंपनी का कहना है कि इन गतिविधियों का मकसद उसकी गोपनीय तकनीक तक पहुंच बनाना था। बताया जा रहा है कि ओपनएआई एक ऐसे नए एआई हार्डवेयर डिवाइस पर काम कर रहा है,

जो पारंपरिक स्क्रीन और इंटरफेस से अलग अनुभव देगा। हालांकि कंपनी ने अब तक इस प्रोजेक्ट की विस्तृत जानकारी सार्वजनिक नहीं की है। एप्पल का कहना है कि उसने फरवरी में भी इस मामले को लेकर

सीक्रेट ए आई डिवाइस बना वजह

एप्पल का आरोप: सीक्रेट डेटा का दुरुपयोग

ओपनएआई से संपर्क किया था, लेकिन कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला। इसके बाद कंपनी ने अदालत का रुख किया और अपने नवाचारों तथा बौद्धिक संपदा की सुरक्षा के लिए कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी। फिलहाल ओपनएआई की ओर से इन आरोपों पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

टेक जगत की नजर अब इस हाई-प्रोफाइल कानूनी विवाद पर टिकी हुई है।

फर्मेंटेड चावल का पानी बनाएं नेचुरल टोनर

यूनिक समय, नई दिल्ली। अक्सर चावल धोने के बाद उसका पानी फेंक दिया जाता है, लेकिन यही पानी आपकी स्किन और बालों के लिए बेहद फायदेमंद साबित हो सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, फर्मेंटेड चावल के पानी में विटामिन, अमीनो एसिड और एंटीऑक्सीडेंट्स भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं, जो त्वचा और बालों को प्राकृतिक पोषण देने में मदद करते हैं। फर्मेंटेड चावल का पानी बनाने के लिए चावल को करीब 30 मिनट पानी में भिगो दें। इसके बाद पानी को अलग निकालकर 2 से 3 दिन तक ढककर रखें, जिससे वह फर्मेंट हो जाए। इस प्रक्रिया में बनने वाला पिटेरा नामक तत्व नई स्किन सेल्स बनने में मदद करता है। चेहरे पर इसे नेचुरल टोनर की तरह इस्तेमाल किया जा सकता है। फेस वॉश के बाद कॉटन की मदद से इसे चेहरे पर लगाने से त्वचा ताजगी और निखार महसूस कर सकती है। वहीं, बालों के लिए शैंपू से पहले इसे स्कैल्प और बालों पर स्प्रे कर 15 मिनट मसाज करने से हेयर फॉल कम करने और बालों को मजबूत बनाने में मदद मिल सकती है। इसके अलावा, चावल के पानी से एंटी-एजिंग शीट मास्क तैयार किया जा सकता है। शैंपू के बाद इसे कंडीशनर की तरह इस्तेमाल करने से बाल अधिक मुलायम, सिल्की और चमकदार नजर आ सकते हैं।

सुविचार

ज्ञान और विनम्रता इंसान की सबसे बड़ी ताकत होती है।

कल का पंचांग

तिथि	चतुर्दशी	10:30-06:49 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	आद्रा	05:41-02:51 तक	माह	आषाढ़
सूर्योदय		5:37 AM	चन्द्रोदय	03:51 AM
सूर्यास्त		7:12 PM	चंद्रास्त	06:35 PM
सूर्य राशि		मिथुन राशि	चंद्र	मिथुन राशि
शुभ मुहूर्त		11:57AM -12:52 PM	ब्रहम् मुहूर्त	03:53-04:41
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल		07:19 AM: 09:01 AM	वार	सोमवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8.00 से दोपहर 01.30 बजे तक और शाम 4.00 से रात 9.00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6.30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6.30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6.30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7.30 बजे तक।

कल का राशिफल

मेषः कल नए अवसर मिलेंगे। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी, लेकिन जल्दबाजी में निर्णय लेने से बचें और धैर्य रखें।

वृषभः आर्थिक मामलों में लाभ होगा। परिवार का सहयोग मिलेगा, पुराने विवाद खत्म होंगे और मन प्रसन रहेगा।

मिथुनः रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी। नौकरी और व्यापार में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं, स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

कर्कः कल भावनाओं पर नियंत्रण रखें। धन संबंधी फैसले सोच-समझकर लें, परिवार में खुशियां बनी रहेंगी।

सिंहः आत्मविश्वास बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में सम्मान मिलेगा, निवेश से पहले विशेषज्ञों की सलाह लेना लाभकारी रहेगा।

कन्याः मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा। रुके हुए कार्य पूरे होंगे, स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहना जरूरी है।

तुलाः रिश्तों में मधुरता आएगी। व्यापार में लाभ के योग हैं, नई योजनाएं सफल हो सकती हैं।

वृश्चिकः कल चुनौतियां आ सकती हैं। धैर्य रखें, आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और परिवार का साथ मिलेगा।

धनुः यात्रा के योग बनेंगे। करियर में प्रगति होगी, नए लोगों से मुलाकात लाभदायक साबित होगी।

मकरः मेहनत रंग लाएगी। नौकरी में सफलता मिलेगी, धन लाभ के अवसर प्राप्त हो सकते हैं।

कुंभः नई योजनाओं पर काम शुरू होगा। सामाजिक सम्मान बढ़ेगा, स्वास्थ्य सामान्य रहेगा और मन शांत रहेगा।

मीनः कल भाग्य का साथ मिलेगा। परिवार में सुख रहेगा, कार्यक्षेत्र में तरक्की के अवसर मिलेंगे।

रोटी को हमेशा थाली और पत्तल पर ही परोसना चाहिए

यूनिक समय, मथुरा। भारतीय संस्कृति में भोजन को केवल पेट भरने का साधन नहीं, बल्कि मां अन्नपूर्णा का प्रसाद माना गया है। इसलिए भोजन बनाने, परोसने और ग्रहण करने से जुड़े कई धार्मिक और पारंपरिक नियम बताए गए हैं। इन्हीं में एक मान्यता यह भी है कि भोजन परोसते समय किसी व्यक्ति के हाथ में सीधे रोटी नहीं देनी चाहिए।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार रोटी, चावल या अन्य खाद्य पदार्थ हमेशा थाली, पत्तल या कटोरी में ही

हाथ में रोटी देना शुभ नहीं माना जाता

अन्न का सम्मान सुख समृद्धि का आधार माना है

परोसने चाहिए। माना जाता है कि ऐसा करना अन्न का सम्मान है और इससे घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है। वहीं, हाथ में सीधे रोटी देने को शुभ नहीं माना गया है। हालांकि, यह मान्यता धार्मिक और पारंपरिक विश्वासों पर आधारित है, इसका कोई वैज्ञानिक प्रमाण उपलब्ध नहीं है। वास्तु शास्त्र में भी भोजन परोसने के दौरान कुछ सावधानियां रखने की सलाह दी गई है। मान्यता है कि किसी के हाथ में सीधे रोटी देने से मां अन्नपूर्णा का अपमान होता है और घर में नकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव बढ़ सकता है। कुछ धार्मिक मान्यताओं में इसे भिक्षा देने के समान भी माना गया है। इसलिए परिवार के सदस्यों और मेहमानों को भोजन हमेशा सम्मानपूर्वक थाली में परोसने की परंपरा बताई गई है। धार्मिक ग्रंथों में अन्न को देवतुल्य माना गया है। इसी कारण भोजन परोसते समय विनम्रता, मधुर व्यवहार और प्रसन्न मन रखने पर विशेष जोर दिया जाता है। जल्दबाजी, क्रोध या अपमानजनक व्यवहार के साथ भोजन परोसना उचित नहीं माना गया है। परंपरा के अनुसार भोजन से पहले भगवान को भोग लगाने, पहली रोटी गौ माता के लिए और अंतिम रोटी कुत्ते के लिए निकालने की परंपरा भी कई परिवारों में आज भी निभाई जाती है। माना जाता है कि इससे सकारात्मक वातावरण बनता है और घर में अन्न-धन की कमी नहीं होती।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

इसके अलावा भोजन हमेशा साफ-सुथरे बर्तनों में परोसने, जरूरत के अनुसार ही भोजन परोसने और अन्न की बर्बादी से बचने की सलाह दी जाती है। विशेषज्ञों का मानना है कि इन परंपराओं का मूल उद्देश्य अन्न के प्रति सम्मान, अनुशासन और कृतज्ञता की भावना विकसित करना है। आस्था से जुड़े इन नियमों का पालन व्यक्तिगत विश्वास का विषय है, जबकि भोजन के प्रति सम्मान और उसकी बर्बादी रोकना हर दृष्टि से एक अच्छी आदत मानी जाती है।

चमेली इत्र की एक बूंद बदल सकती है किस्मत

यूनिक समय, मथुरा। जीवन में कई बार कड़ी मेहनत और लगातार प्रयास के बाद भी मनचाही सफलता नहीं मिल पाती। काम बनते-बनते रुक जाते हैं और कई तरह की परेशानियां सामने आने लगती हैं। ज्योतिष शास्त्र में ऐसी स्थितियों के लिए कुछ आसान उपाय बताए गए हैं। इन्हीं में से एक उपाय चमेली के इत्र से जुड़ा है। मान्यता है कि चमेली के इत्र का सही तरीके से इस्तेमाल करने से सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है और कार्यों में आने वाली बाधाएं कम हो सकती हैं। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार चमेली के इत्र का संबंध शुक्र ग्रह से माना जाता है। शुक्र ग्रह को सुख-सुविधा, आकर्षण, धन, वैभव और समृद्धि का कारक माना गया है। इसलिए चमेली की खुशबू को जीवन में सकारात्मक बदलाव और आत्मविश्वास बढ़ाने से जोड़कर देखा जाता है। मान्यता है

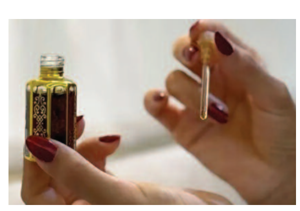

कि किसी महत्वपूर्ण काम, नौकरी के इंटरव्यू, बिजनेस मीटिंग या नई शुरुआत से पहले चमेली के इत्र की एक बूंद कलाई या कानों के पीछे लगाने से मन शांत रहता है और आत्मविश्वास बढ़ता है। इससे व्यक्ति अपने काम पर बेहतर ध्यान केंद्रित कर पाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार शुक्रवार के दिन माता लक्ष्मी की पूजा में चमेली के इत्र का प्रयोग शुभ माना जाता है। कहा जाता है कि इससे घर में सकारात्मक वातावरण बनता है और धन-समृद्धि के योग मजबूत होते हैं। पूजा के दौरान इत्र अर्पित

सफलता, धन और तरक्की के खुलेंगे रास्ते

करने से मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होने की मान्यता है। इसके अलावा कार्यस्थल पर तनाव या नकारात्मक माहौल महसूस होने पर चमेली के इत्र का हल्का उपयोग वातावरण को बेहतर बनाने में सहायक माना जाता है। इसकी सुगंध मन को शांति देने वाली मानी जाती है। हालांकि, इन उपायों का आधार धार्मिक और ज्योतिषीय मान्यताएं हैं, इनका कोई वैज्ञानिक प्रमाण उपलब्ध नहीं है। फिर भी खुशबू का मन और भावनाओं पर सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। आस्था के साथ-साथ मेहनत, सही योजना और सकारात्मक सोच सफलता के लिए सबसे जरूरी मानी जाती है।

सपने में खाना दिखना शुभ संकेत या परेशानी?

यूनिक समय, मथुरा। सपनों की दुनिया हमेशा से लोगों के लिए रहस्यमयी रही है। भारतीय परंपरा में स्वप्न शास्त्र के अनुसार हर सपने का कोई न कोई अर्थ माना जाता है। भोजन से जुड़े सपने भी इन्हीं में शामिल हैं। मान्यता है कि सपने में खाना दिखना व्यक्ति के जीवन, धन, स्वास्थ्य और रिश्तों से जुड़े संकेत दे सकता है। यदि कोई व्यक्ति सपने में खुद को स्वादिष्ट भोजन खाते हुए देखता है तो इसे शुभ माना जाता है। मान्यता है कि ऐसा सपना आर्थिक स्थिति में सुधार, रुके हुए काम पूरे होने और जीवन में सकारात्मक बदलाव का संकेत हो सकता है। वहीं, सपने में कई तरह के पकवान दिखाई देना परिवार में

स्वप्न शास्त्र में छिपे हैं भोजन के संकेत

खुशियों और नए अवसरों का संकेत माना जाता है। खुद को खाना बनाते हुए देखना मेहनत का फल मिलने और सफलता की ओर बढ़ने का प्रतीक माना जाता है। हालांकि, कुछ मान्यताओं में दूसरों के साथ भोजन करने के सपने को सावधानी बरतने का संकेत भी बताया गया है। इसे खर्च बढ़ने या किसी चुनौती का इशारा माना जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार, इन बातों का आधार धार्मिक और पारंपरिक मान्यताएं हैं, इनका कोई वैज्ञानिक प्रमाण उपलब्ध नहीं है।

इंटरव्यू या परीक्षा घर से निकलते समय कौन सा पैर रखें पहले?

यूनिक समय, मथुरा। इंटरव्यू, प्रतियोगी परीक्षा, नई नौकरी, व्यापार की शुरुआत या किसी महत्वपूर्ण काम के लिए घर से निकलते समय मन में सफलता की कामना होना स्वाभाविक है। भारतीय ज्योतिष और सनातन परंपरा में ऐसी कई मान्यताएं हैं, जिन्हें शुभ शुरुआत का प्रतीक माना जाता है। इन्हीं में से एक मान्यता यह भी है कि घर से बाहर निकलते समय पहला कदम किस पैर से रखना चाहिए।

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार यदि किसी शुभ या महत्वपूर्ण कार्य के लिए घर से निकल रहे हैं, तो दायां पैर पहले बाहर रखना शुभ माना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि शरीर का दाहिना भाग सूर्य तत्व, सकारात्मक ऊर्जा और मंगल का प्रतीक माना जाता है। इसलिए दाएं पैर से शुरुआत करने से कार्य में सफलता

और बाधाओं में कमी आने की मान्यता प्रचलित है। हालांकि इसका कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है और इसे पूरी तरह आस्था व परंपरा से जुड़ा विश्वास माना जाता है। धार्मिक परंपराओं में भी दाहिने भाग का विशेष महत्व बताया गया है। पूजा-पाठ में आहुति दाहिने हाथ से दी जाती है, कई संस्कारों में दाहिने हाथ का उपयोग किया जाता है और शुभ कार्यों में दाहिने पक्ष को प्राथमिकता दी जाती है। इसी आधार पर घर से निकलते समय दायां पैर पहले रखने की परंपरा भी

शुभ शुरुआत के लिए दायां पैर रखें पहले

सकारात्मक सोच और आस्था बढ़ाती है आत्मविश्वास

प्रचलित है। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार लोग आमतौर पर नौकरी के इंटरव्यू, प्रतियोगी परीक्षा, नए व्यापार के शुभारंभ, महत्वपूर्ण बैठक, विवाह समारोह, धार्मिक आयोजन और लंबी यात्रा पर निकलते समय इस मान्यता का पालन करते हैं। माना जाता है कि इससे मन में सकारात्मकता बढ़ती है और आत्मविश्वास मजबूत होता है।

महत्वपूर्ण कार्य पर निकलने से पहले भगवान गणेश का स्मरण करना भी शुभ माना जाता है। कई लोग घर के मंदिर में दीपक जलाकर प्रार्थना करते हैं, माता-पिता या बुजुर्गों का आशीर्वाद लेते हैं तथा दही-चीनी या गुड़ खाकर घर से निकलते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार "ॐ गं गणपतये नमः" मंत्र का श्रद्धापूर्वक जाप करने से कार्यों में आने वाली बाधाएं दूर होती हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि इन परंपराओं का उद्देश्य व्यक्ति के मन में सकारात्मक सोच और आत्मविश्वास पैदा करना है। सफलता केवल शुभ संकेतों से नहीं, बल्कि मेहनत, तैयारी और सही निर्णय से मिलती है। ऐसे में यदि कोई इन मान्यताओं का पालन करता है, तो उन्हें आस्था के रूप में देखा जाना चाहिए, न कि सफलता की गारंटी के रूप में।

सम्पादकीय

महंगे चुनाव, सस्ती नैतिकता और लोकतंत्र की बढ़ती कीमत

लोकतंत्र का सबसे सुंदर उत्सव चुनाव कहलाता है, लेकिन जब इस उत्सव का बजट किसी शादी–ब्याह से भी नहीं, बल्कि बड़े उद्योगों की परियोजनाओं जैसा दिखने लगे, तो सवाल उठना स्वाभाविक है। चुनाव प्रचार में हेलीकॉप्टरों की उड़ान, सोशल मीडिया की बाढ़, विशाल रैलियां, चमचमाते मंच और करोड़ों रुपये का प्रचार आखिर किसकी जेब से आता है? और उससे भी बड़ा सवाल–उसकी भरपाई कौन करता है?

पवन गौतम
संपादक

लोकतंत्र में वोट की कीमत बराबर होती है, लेकिन चुनाव लड़ने की कीमत हर साल बढ़ती जा रही है। हालत यह है कि कई ईमानदार और योग्य लोग चुनाव लड़ने से पहले ही हार मान लेते हैं, क्योंकि उनके पास विचार तो होते हैं, लेकिन "विज्ञापन बजट" नहीं। दूसरी ओर, जिनकी जेब भारी होती है, वे जनता तक पहुंचने के लिए हर आधुनिक और पारंपरिक माध्यम का इस्तेमाल करते हैं। व्यंग्य यह है कि चुनाव के दौरान नेता बार–बार कहते हैं, "हम जनता की सेवा करने आए हैं।"

लेकिन चुनावी खर्च देखकर कभी–कभी लगता है कि पहले निवेश किया गया है, अब उसका "रिटर्न ऑन इन्वेस्टमेंट" भी चाहिए। जब चुनाव को निवेश की तरह देखा जाएगा, तो सत्ता मिलने के बाद वसूली की मानसिकता पैदा होने का खतरा भी बढ़ेगा। यही वह बिंदु है, जहां भ्रष्टाचार चुपचाप लोकतंत्र के मंच पर प्रवेश कर जाता है। चुनावी खर्च का असर केवल राजनीति तक सीमित नहीं रहता। इसका प्रभाव सरकारी ठेकों, नियुक्तियों, नीतियों और प्रशासनिक फैसलों तक दिखाई दे सकता है। यदि चुनाव जीतने की कीमत बहुत अधिक होगी, तो ईमानदारी सबसे पहले चुनावी पोस्टर से गायब होगी। फिर जनता पांच साल तक यह सोचती रह जाती है कि विकास पहले आएगा या खर्च की भरपाई।

स्कैन करें
संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

तकनीक ने प्रचार के नए रास्ते खोले हैं, लेकिन खर्च कम नहीं किया। अब पोस्टरों की जगह डिजिटल विज्ञापन हैं, चौपाल की जगह लाइव स्ट्रीम है और नुक्कड़ सभा की जगह वायरल वीडियो। माध्यम बदल गए, मगर खर्च की भूख पहले जैसी ही बनी हुई है।

लोकतंत्र की मजबूती इस बात में नहीं कि चुनाव सबसे महंगे हों, बल्कि इस बात में है कि सबसे योग्य व्यक्ति भी बिना अपार धनबल के जनता तक पहुंच सके। चुनाव विचारों की प्रतिस्पर्धा हों, खर्च की नहीं। क्योंकि यदि लोकतंत्र की सफलता का पैमाना केवल पैसा बन गया, तो जीत भले लोकतंत्र की दिखे, लेकिन जश्न भ्रष्टाचार ही मनाएगा।

नजरिया

आर्थिक सुरक्षा की तलाश में बदलती परिवार की परिभाषा

बोध प्रकाश सगुणी

कभी भारतीय समाज में विवाह और संतान को जीवन की स्वाभाविक एवं अनिवार्य यात्रा माना जाता था। पढ़ाई पूरी हुई, नौकरी मिली, विवाह हुआ और फिर परिवार का विस्तार–यह क्रम लगभग तय माना जाता था। लेकिन इक्कीसवीं सदी की युवा पीढ़ी इस पारंपरिक सोच को नए नजरिए से देख रही है। आज का युवा परिवार का विरोध नहीं करता, बल्कि वह परिवार शुरू करने से पहले आर्थिक स्थिरता, मानसिक संतुलन, बेहतर स्वास्थ्य और सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित करना चाहता है। यही कारण है कि दुनिया के अनेक देशों की तरह भारत में भी विवाह और मातृत्व–पितृत्व की औसत आयु लगातार बढ़ रही है तथा प्रजनन दर में गिरावट दर्ज की जा रही है।

संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) की हालिया रिपोर्ट बताती है कि दुनिया की दो–तिहाई से अधिक आबादी ऐसे देशों में रहती है, जहां प्रति महिला प्रजनन दर 2.1 के प्रतिस्थापन स्तर से नीचे पहुंच चुकी है। यह केवल जनसंख्या का आंकड़ा नहीं, बल्कि सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक परिवर्तन का संकेत भी है। युवा अब पहले स्वयं को स्थापित करना चाहता है और उसके बाद ही परिवार की जिम्मेदारी उठाने के बारे में सोचता है। दरअसल, आज का युवा जिस दौर में जी रहा है, वह पहले की पीढ़ियों से बिल्कुल अलग है। महंगाई लगातार बढ़ रही है, रोजगार के अवसर सीमित हैं, प्रतियोगिता पहले से कहीं अधिक कठिन है और जीवनयापन की लागत तेजी से बढ़ी है। महानगरों में घर खरीदना या किराये पर लेना भी बड़ी चुनौती बन चुका है। ऐसे में जब एक युवा अपनी आर्थिक जरूरतों को पूरा करने के लिए संघर्ष कर रहा हो, तब उसके लिए परिवार बढ़ाने का निर्णय आसान नहीं होता।

विश्व स्तर पर किए गए सर्वेक्षणों में अधिकांश युवाओं ने आर्थिक स्वतंत्रता, स्थिर नौकरी, अच्छा स्वास्थ्य और मानसिक मजबूती को संतान से पहले आवश्यक शर्त माना है। यह सोच किसी जिम्मेदारी से भागने की नहीं, बल्कि जिम्मेदारी को बेहतर ढंग से निभाने की इच्छा को दर्शाती है। आज के माता–पिता अपने बच्चों को केवल जन्म देना ही पर्याप्त नहीं मानते, बल्कि उन्हें अच्छी शिक्षा, बेहतर स्वास्थ्य, सुरक्षित वातावरण और गुणवत्तापूर्ण जीवन देना भी अपनी जिम्मेदारी समझते हैं। यही सोच परिवार नियोजन के निर्णय को प्रभावित कर रही है। महिलाओं के दृष्टिकोण में यह बदलाव और अधिक स्पष्ट दिखाई देता है। उच्च शिक्षा, करियर, आर्थिक आत्मनिर्भरता और सामाजिक भागीदारी ने महिलाओं की प्राथमिकताओं को नया आयाम दिया है। अब वे केवल विवाह और मातृत्व तक सीमित पहचान नहीं चाहतीं। वे अपने करियर, व्यक्तिगत विकास और आर्थिक स्वतंत्रता को भी उतना ही महत्व देती हैं। इसलिए मातृत्व का निर्णय अब पहले की तुलना में अधिक सोच–समझकर लिया जा रहा है। यह परिवर्तन समाज में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी और समानता की दिशा में सकारात्मक संकेत भी है।

हालांकि इस बदलती सोच के कुछ दूरगामी प्रभाव भी हैं। यदि लंबे समय तक प्रजनन दर प्रतिस्थापन स्तर से नीचे बनी रहती है, तो भविष्य में श्रमशक्ति की कमी, बुजुर्ग आबादी का बढ़ता अनुपात, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं पर दबाव और आर्थिक विकास की गति प्रभावित हो सकती है। जापान, दक्षिण कोरिया, इटली और कई यूरोपीय देशों के अनुभव बताते हैं कि अत्यधिक कम जन्मदर भविष्य में गंभीर जनसांख्यिकीय संकट पैदा कर सकती है। इसलिए यह विषय केवल व्यक्तिगत निर्णय तक सीमित नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय नीति और आर्थिक विकास से भी जुड़ा हुआ है। भारत की स्थिति अभी इन देशों जैसी नहीं है, लेकिन संकेत स्पष्ट हैं। महानगरों और बड़े शहरों में विवाह की आयु बढ़ रही है, छोटे परिवारों की प्रवृत्ति मजबूत हो रही है और अनेक युवा विवाह के कई वर्षों बाद संतान की योजना बना रहे हैं।

सोशल मीडिया, वैश्विक संस्कृति और बदलती जीवनशैली ने इस सोच को गांवों और छोटे शहरों तक भी पहुंचा दिया है। हालांकि भारत की सामाजिक संरचना अभी भी परिवार–केंद्रित है, इसलिए यहां बदलाव की गति अपेक्षाकृत धीमी है। यह समझना भी जरूरी है कि हर दंपति की परिस्थितियां अलग होती हैं। कुछ लोग आर्थिक कारणों से संतान को टालते हैं, कुछ स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों के कारण, तो कुछ अपने करियर या व्यक्तिगत जीवन की प्राथमिकताओं के चलते। इसलिए किसी भी व्यक्ति के निर्णय का मूल्यांकन केवल सामाजिक मानकों के आधार पर नहीं किया जा सकता। परिवार बनाना या न बनाना व्यक्तिगत अधिकार है और उसका सम्मान होना चाहिए। लेकिन यदि बड़ी संख्या में युवा केवल आर्थिक असुरक्षा के कारण परिवार शुरू करने से पीछे हट रहे हैं, तो यह नीति–निर्माताओं के लिए गंभीर संकेत है। सरकारों की जिम्मेदारी केवल जनसंख्या बढ़ाने या घटाने तक सीमित नहीं होनी चाहिए। उन्हें ऐसा सामाजिक और आर्थिक वातावरण तैयार करना होगा, जिसमें युवाओं को स्थिर रोजगार, सुलभ आवास, गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं, बेहतर शिक्षा और कामकाजी महिलाओं के लिए पर्याप्त सहायता उपलब्ध हो। मातृत्व और पितृत्व अवकाश, किफायती चाइल्ड–केयर सुविधाएं, कार्यस्थल पर लचीलापन और सामाजिक सुरक्षा जैसी व्यवस्थाएं युवाओं का आत्मविश्वास बढ़ा सकती हैं। जिन देशों ने ऐसी नीतियां अपनाई हैं, वहां परिवार निर्माण प्रति सकारात्मक माहौल बनाने में कुछ सफलता मिली है। साथ ही समाज को भी अपनी सोच बदलनी होगी। विवाह और संतान को लेकर अनावश्यक सामाजिक दबाव किसी समस्या का समाधान नहीं है। इसके बजाय युवाओं की वास्तविक चुनौतियों को समझना और उनके निर्णयों का सम्मान करना अधिक आवश्यक है। परिवार तभी मजबूत बन सकता है, जब उसकी नींव आर्थिक स्थिरता, मानसिक संतुलन, पारस्परिक सम्मान और भावनात्मक विश्वास पर टिकी हो। अंततः यह स्पष्ट है कि आज की युवा पीढ़ी परिवार से दूर नहीं जा रही, बल्कि वह परिवार की जिम्मेदारियों को अधिक गंभीरता से लेने लगी है। वह चाहता है कि जब उसका बच्चा इस दुनिया में आए तो उसे असुरक्षा, अभाव और संघर्ष नहीं, बल्कि अवसर, शिक्षा, स्वास्थ्य और सम्मान से भरा जीवन मिले। यही सोच प्रजनन दर में गिरावट का एक महत्वपूर्ण कारण है। आने वाले वर्षों में सबसे बड़ी चुनौती जनसंख्या बढ़ाना या घटाना नहीं होगी, बल्कि ऐसा संतुलन बनाना होगा जिसमें युवा अपने सपनों और परिवार–दोनों के साथ न्याय कर सकें। आर्थिक सुरक्षा और पारिवारिक जीवन को एक–दूसरे का विकल्प नहीं, बल्कि पूरक बनाना ही भविष्य की सबसे बड़ी सामाजिक आवश्यकता होगी। जब युवा यह विश्वास महसूस करेगा कि उसका भविष्य सुरक्षित है, तभी वह परिवार के भविष्य को भी उतने ही आत्मविश्वास के साथ आकार देने का निर्णय ले सकेगा।

विचार विंडो

60 राउंड की गूंज, कई अनुत्तरित सवाल छोड़ गई मुठभेड़

राम प्रकाश शर्मा

गुरुग्राम के पॉश सुशांत लोक इलाके में हुई दो मिनट की मुठभेड़ ने केवल गोलियों की आवाज ही नहीं छोड़ी, बल्कि कई ऐसे सवाल भी खड़े कर दिए हैं जिन पर समाज, पुलिस और सरकार तीनों को गंभीरता से विचार करना होगा। महज कुछ मिनटों में चली दर्जनों गोलियों ने यह स्पष्ट कर दिया कि संगठित अपराध अब पहले से अधिक योजनाबद्ध, संसाधन–संपन्न और निडर हो चुका है। यदि किसी कारोबारी के घर पर खुलेआम हमला करने की योजना बनाई जा सकती है, तो यह केवल एक व्यक्ति पर हमला नहीं, बल्कि कानून व्यवस्था को खुली चुनौती भी है।

पुलिस का दावा है कि उसे पहले से खुफिया सूचना मिल चुकी थी और इसी वजह से अपराधियों को मौके पर घेर लिया गया। यदि यह जानकारी सही है, तो यह इंटेलिजेंस और त्वरित कार्रवाई का एक प्रभावी उदाहरण माना जा सकता है। तीन दिशाओं से घेराबंदी, संभावित रास्तों को बंद करना और घनी आबादी वाले क्षेत्र में आम लोगों की सुरक्षा का ध्यान रखते हुए जवाबी कार्रवाई करना आसान नहीं होता। इस दृष्टि से पुलिस की तैयारी और साहस की चर्चा स्वाभाविक है। हालांकि किसी भी मुठभेड़ में पुलिस की कार्रवाई का अंतिम मूल्यांकन जांच और कानूनी प्रक्रिया के बाद ही होना चाहिए।

इस पूरे घटनाक्रम का सबसे गंभीर पक्ष संगठित अपराध का बढ़ता नेटवर्क है। आज गैंगस्टर केवल किसी शहर या राज्य तक सीमित नहीं हैं। कई मामलों में अपराध की योजना विदेशों से बनाई जाती है, धमकियां इंटरनेट कॉल और एन्क्रिप्टेड ऐप के जरिए भेजी जाती हैं और स्थानीय स्तर पर युवाओं को इस्तेमाल किया जाता है। अपराध का यह नया मॉडल कानून लागू करने वाली एजेंसियों के लिए बड़ी चुनौती बन चुका है। केवल हथियारों से नहीं, बल्कि साइबर तकनीक, वित्तीय निगरानी और राज्यों के बीच मजबूत समन्वय से ही ऐसे नेटवर्क को तोड़ा जा सकता है।

रंगदारी की घटनाओं में लगातार बढ़ोतरी भी चिंता का विषय है। व्यापारियों और उद्योगपतियों को निशाना बनाकर करोड़ों रुपये की मांग करना यह दर्शाता है कि अपराधी केवल हिंसा नहीं, बल्कि आर्थिक आतंक का माहौल भी बनाना चाहते हैं। यदि कारोबारी खुद को असुरक्षित महसूस करेंगे तो इसका असर निवेश, रोजगार और स्थानीय अर्थव्यवस्था पर भी पड़ेगा। इसलिए व्यापारिक शहरों में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाना समय की मांग है।

इस घटना का दूसरा पक्ष और भी संवेदनशील है। मुठभेड़ में मारे गए कुछ युवकों के परिवारों ने पुलिस के दावों को खारिज करते हुए उन्हें निर्दोष बताया है। किसी ने बेटे को छात्र कहा, किसी ने खिलाड़ी और किसी ने दावा किया कि उसका कोई आपराधिक इतिहास नहीं था। दूसरी ओर पुलिस का कहना है कि मुख्य आरोपी के खिलाफ पहले से कई मामले दर्ज थे और अन्य लोगों की भूमिका की जांच जारी है। इन विरोधाभासी दावों के बीच जल्दबाजी में किसी निष्कर्ष पर पहुंचना उचित नहीं होगा। लोकतांत्रिक व्यवस्था में हर व्यक्ति को निष्पक्ष जांच और न्यायिक प्रक्रिया का अधिकार है। इसलिए सच्चाई सामने लाने के लिए पारदर्शी जांच सबसे महत्वपूर्ण है।

यह घटना समाज के सामने एक और गंभीर प्रश्न रखती है–आखिर युवा अपराध की दुनिया तक पहुंच कैसे रहे हैं? आसान पैसे का लालच, बेरोजगारी, सोशल मीडिया पर गैंगस्टरों की झूठी चमक, गलत संगत और तेजी से सफल होने की मानसिकता कई युवाओं को ऐसे रास्ते पर धकेल देती है, जहां से वापसी लगभग असंभव हो जाती है। अपराधी गिरोह भी ऐसे युवाओं को अपने लिए सबसे आसान साधन मानते हैं। इसलिए केवल पुलिस कार्रवाई से समस्या का समाधान नहीं होगा। परिवार, स्कूल, समाज और प्रशासन को मिलकर युवाओं के लिए सकारात्मक अवसर और सही मार्गदर्शन उपलब्ध कराना होगा।

सुरक्षा व्यवस्था के लिहाज से भी यह घटना बड़ा संदेश देती है। यदि देश के सबसे सुरक्षित माने जाने वाले इलाकों में भी हथियारबंद हमलावर पहुंच सकते हैं, तो स्पष्ट है कि सुरक्षा व्यवस्था को लगातार आधुनिक बनाना होगा। बेहतर सीसीटीवी नेटवर्क, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित निगरानी, मजबूत स्थानीय खुफिया तंत्र और त्वरित प्रतिक्रिया प्रणाली भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

पुलिस की बहादुरी और अपराधियों के खिलाफ सख्ती आवश्यक है, लेकिन उतना ही जरूरी यह भी है कि हर कार्रवाई कानून के दायरे में हो। किसी भी मुठभेड़ के बाद स्वतंत्र जांच, फोरेंसिक साक्ष्य और न्यायिक समीक्षा जनता के विश्वास को मजबूत करती है। कानून का उद्देश्य केवल अपराधी को सजा देना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी है कि हर कार्रवाई न्यायसंगत और पारदर्शी हो।

गुरुग्राम की यह घटना केवल एक मुठभेड़ की कहानी नहीं है। यह उस बदलते अपराध तंत्र का संकेत है, जहां गैंगस्टर सीमाओं के पार बैठकर योजनाएं बनाते हैं, स्थानीय युवाओं का इस्तेमाल करते हैं और समाज में भय का वातावरण पैदा करने की कोशिश करते हैं। इसका जवाब केवल गोलियों से नहीं, बल्कि मजबूत कानून व्यवस्था, आधुनिक जांच प्रणाली, सामाजिक जागरूकता, युवाओं को सही दिशा और निष्पक्ष न्यायिक प्रक्रिया से ही दिया जा सकता है। अपराध के खिलाफ सख्ती और कानून के प्रति जवाबदेही–दोनों का संतुलन ही किसी लोकतांत्रिक समाज की सबसे बड़ी ताकत होता है।

टी 20 हार के बाद वनडे में पलटवार करेगी टीम इंडिया

अब वनडे में बदला लेने उतरेगा भारत कोहली-बुमराह की वापसी से बढ़ा रोमांच

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच टी20 सीरीज खत्म होने के बाद अब क्रिकेट प्रेमियों की नजरें तीन मैचों की वनडे सीरीज पर टिक गई हैं। शुभमन गिल की कप्तानी में टीम इंडिया 14 जुलाई से शुरू हो रही इस सीरीज में टी20 हार का हिसाब बराबर करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी, जबकि हैरी ब्रूक की अगुआई वाली इंग्लैंड टीम जीत की लय बरकरार रखने की कोशिश करेगी। इस सीरीज का सबसे बड़ा आकर्षण विराट कोहली और जसप्रीत बुमराह की वापसी है। जनवरी 2026 के बाद विराट पहली बार अंतरराष्ट्रीय वनडे खेलते नजर आएंगे, जबकि बुमराह 2023 विश्व कप फाइनल के बाद इस फॉर्मेट में वापसी करेंगे। दोनों अनुभवी खिलाड़ियों के आने से भारतीय टीम को मजबूती मिली है। हालांकि, तेज गेंदबाज हर्षित राणा चोट के कारण टीम से बाहर हो गए हैं और उनकी जगह युवा तेज गेंदबाज प्रिंस यादव को मौका मिला है। भारत और इंग्लैंड के बीच पहला वनडे 14 जुलाई को एजबेस्टन (बर्मिंघम) में भारतीय समयानुसार दोपहर 3:30 बजे खेला जाएगा। दूसरा मुकाबला 16 जुलाई को कार्डिफ के सोफिया गार्डन्स में शाम 5:30 बजे, जबकि तीसरा और अंतिम वनडे 19 जुलाई को ऐतिहासिक लॉर्ड्स मैदान पर दोपहर 3:30 बजे शुरू होगा। पूरी सीरीज का लाइव टेलीकास्ट सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क पर किया जाएगा, जबकि जियोहॉटस्टार ऐप और वेबसाइट पर इसकी लाइव स्ट्रीमिंग उपलब्ध रहेगी। विराट कोहली और जसप्रीत बुमराह की वापसी, शुभमन गिल की कप्तानी और इंग्लैंड की मजबूत चुनौती के बीच यह सीरीज बेहद रोमांचक होने की उम्मीद है। अब देखना दिलचस्प होगा कि टीम इंडिया वनडे में दमदार वापसी कर इंग्लैंड को उसी की धरती पर मात दे पाती है या नहीं।

'टॉक्सिक' के पहले गाने को मिला शानदार रिस्पॉन्स

'तबाही' ने मचाया धमाल! विशाल मिश्रा के मुरीद हुए यश

बोले- मुझे एक छोटा भाई मिल गया

यश ने सफलता का श्रेय सिंगर विशाल मिश्रा को दिया।

यूनिक समय, नई दिल्ली। साउथ सुपरस्टार यश की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'टॉक्सिकः ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' का पहला गाना 'तबाही' रिलीज होते ही सोशल मीडिया और यूट्यूब पर धूम मचा रहा है। महज चार दिनों में गाने के हिंदी वर्जन को 4 करोड़ (40 मिलियन) से अधिक व्यूज मिल चुके हैं। शानदार म्यूजिक, दमदार विजुअल्स और यश-कियारा आडवाणी की शानदार केमिस्ट्री ने इस गाने को दर्शकों की पहली पसंद बना दिया है।

गाने को मिली जबरदस्त सफलता के बाद यश ने इसकी कामयाबी का पूरा श्रेय सिंगर और म्यूजिक कंपोजर विशाल मिश्रा को दिया है। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक भावुक पोस्ट साझा करते हुए विशाल की जमकर तारीफ की और उन्हें अपना 'छोटा भाई' बताया। यश ने लिखा कि विशाल मिश्रा के साथ संगीत बनाना किसी जादू से कम नहीं रहा और इस सफर में उन्हें एक छोटा भाई भी मिल गया। उन्होंने कहा कि माता सरस्वती की कृपा विशाल पर बनी हुई है और अब पूरी दुनिया उनके असाधारण टैलेंट को पहचानने लगी है। साथ ही उन्होंने 'तबाही' को मिली शानदार सफलता के लिए विशाल का दिल से धन्यवाद भी किया।

इससे पहले विशाल मिश्रा ने भी यश की तारीफ करते हुए एक पोस्ट साझा किया था, जिसके जवाब में सुपरस्टार का यह संदेश सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। फिल्म 'टॉक्सिक' का यह पहला गाना रिलीज होते ही ट्रेंडिंग में शामिल हो गया है और फैंस खास तौर पर यश और कियारा की रोमांटिक केमिस्ट्री की खूब तारीफ कर रहे हैं।

गाने का ऑडियो पहले जारी किया गया था, जबकि हाल ही में इसका आधिकारिक वीडियो रिलीज किया गया, जिसे दर्शकों से शानदार प्रतिक्रिया मिल रही है। गीतू मोहनदास के निर्देशन में बनी यह फिल्म 26 अगस्त 2026 को हिंदी, कन्नड़, तमिल, तेलुगु, मलयालम और अंग्रेजी भाषा में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

फिल्म में यश और कियारा आडवाणी के अलावा नयनतारा, तारा सुतारिया, हुमा कुरैशी और रुक्मिणी वसंत भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगी। 'तबाही' को मिली बंपर सफलता ने फिल्म को लेकर दर्शकों की उत्सुकता कई गुना बढ़ा दी है और अब फैंस इसकी रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 में जंग हुई और रोमांचक

सेमीफाइनल में अर्जेंटीना के सामने इंग्लैंड की बड़ी चुनौती

यूनिक समय, नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप 2026 अब अपने सबसे रोमांचक दौर में पहुंच चुका है। क्वार्टर फाइनल मुकाबलों के बाद सेमीफाइनल की चारों टीमें तय हो गई हैं।

इंग्लैंड ने नॉर्वे को 2-1 से हराकर अंतिम चार में जगह बनाई, जबकि डिफेंडिंग चैंपियन अर्जेंटीना ने स्विट्जरलैंड को 3-1 से मात देकर सेमीफाइनल का टिकट हासिल किया। अब पहला सेमीफाइनल 15 जुलाई को स्पेन और फ्रांस के बीच खेला जाएगा, जबकि दूसरा मुकाबला 16 जुलाई को अर्जेंटीना और इंग्लैंड के बीच होगा। दोनों मैच भारतीय समयानुसार रात 12:30 बजे शुरू होंगे।

पहले सेमीफाइनल में स्पेन और फ्रांस के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिलेगा। दोनों टीमों के बीच अब तक 38 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले गए हैं, जिनमें स्पेन ने 18 और फ्रांस ने 13 मुकाबले जीते हैं, जबकि 7 मैच ड्रॉ रहे। हालांकि विश्व कप में दोनों टीमें केवल एक बार आमने-सामने आई थीं, जिसमें फ्रांस ने 3-1 से जीत दर्ज की थी।

दूसरे सेमीफाइनल में मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना के सामने इंग्लैंड की कठिन चुनौती होगी। यह मुकाबला अटलांटा में खेला जाएगा। विश्व कप इतिहास में दोनों टीमों के बीच अब तक पांच मुकाबले हुए हैं, जिनमें इंग्लैंड ने तीन और अर्जेंटीना ने दो मैच जीते हैं। इंग्लैंड 1966 के बाद दूसरी बार खिताब जीतने का सपना पूरा करना चाहता है, जबकि अर्जेंटीना लगातार दूसरी बार विश्व चैंपियन बनने की ओर एक और कदम बढ़ाना चाहेगा।

अब फुटबॉल प्रेमियों की निगाहें इन दोनों हाई-वोल्टेज मुकाबलों पर टिकी हैं। स्पेन-फ्रांस और अर्जेंटीना-इंग्लैंड के बीच होने वाली भिड़ंत तय करेगी कि फीफा वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में कौन-सी दो टीमें आमने-सामने होंगी।

हॉलीवुड में धमाकेदार एंट्री करेंगी दिशा पाटनी

ऑस्कर विजेता निर्देशक की फिल्म से करेंगी डेब्यू

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड में अपनी ग्लैमरस छवि और दमदार अभिनय से पहचान बना चुकीं अभिनेत्री दिशा पाटनी अब हॉलीवुड में भी अपनी नई पारी शुरू करने जा रही हैं। दिशा जल्द ही ऑस्कर विजेता निर्देशक केविन स्पेसी की सुपरनैचुरल थ्रिलर फिल्म 'होलीगार्ड्स सागाः द पोर्टल ऑफ फोर्स' से अंतरराष्ट्रीय सिनेमा में डेब्यू करेंगी। इस फिल्म को लेकर वह काफी उत्साहित हैं। हाल ही में एक बातचीत में दिशा ने बताया कि केविन स्पेसी के साथ काम करना उनके लिए बेहद खास अनुभव रहा। उन्होंने कहा कि स्पेसी कलाकारों को खुलकर अपने किरदार को जीने की आजादी देते हैं। शूटिंग से पहले वह पूरी टीम के साथ बैठकर हर सीन पर विस्तार से चर्चा करते थे और कलाकारों को अपने अनुभवों के आधार पर अभिनय करने के लिए प्रेरित करते थे। दिशा के मुताबिक, यही वजह है कि उनके साथ काम करना एक शानदार सीख साबित हुआ। अभिनेत्री ने हॉलीवुड में काम करने के तरीके पर भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि वहां सिर्फ लोकप्रियता नहीं, बल्कि प्रतिभा और ऑडिशन सबसे ज्यादा मायने रखते हैं। अगर किसी कलाकार को अंतरराष्ट्रीय फिल्मों में काम करना है तो उसे ऑडिशन देना ही पड़ता है।

उन्होंने यह भी कहा कि भारत में बैठकर ग्लोबल रोल हासिल करना आसान नहीं है। इसके लिए विदेश जाकर वहां के माहौल, कार्यशैली और इंडस्ट्री को समझना जरूरी होता है। दिशा का मानना है कि मेहनत, तैयारी और सही अवसर मिलने पर ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफलता हासिल की जा सकती है। प्रियंका चोपड़ा, दीपिका पादुकोण, आलिया भट्ट, तब्बू और अली फजल के बाद अब दिशा पाटनी भी हॉलीवुड में भारत का प्रतिनिधित्व करती नजर आएंगी। उनके इस बड़े डेब्यू को लेकर फैंस में जबरदस्त उत्साह है और सभी को उनकी पहली हॉलीवुड फिल्म का बेसब्री से इंतजार है।

सेहत ने रोका सुनीता आहूजा का सफर, 'लॉकअप 2' से हुईं बाहर

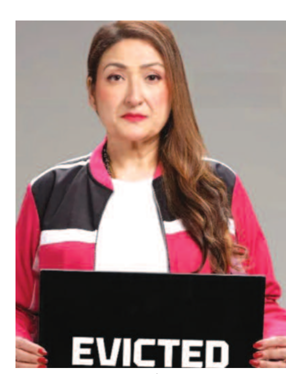

बोलीं— डायबिटीज और मेनोपॉज ने कर दिया बेहाल

यूनिक समय, नई दिल्ली। रियलिटी शो 'लॉकअप 2' में अपने बेबाक अंदाज से दर्शकों का दिल जीतने वाली सुनीता आहूजा का सफर अब खत्म हो गया है। स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों के चलते उन्होंने शो छोड़ने का फैसला लिया। जजमेंट डे पर सुनीता के साथ सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर रियाज अली भी शो से बाहर हो गए। खास बात यह रही कि सुनीता को घर ले जाने के लिए अभिनेता गोविंदा और बेटी टीना आहूजा खुद शो में पहुंचे, जिन्हें देखकर वह भावुक हो गईं।

शो के दौरान सुनीता ने फराह खान और रितेश देशमुख से कहा कि वह मेनोपॉज के दौर से गुजर रही हैं। इसके साथ ही उनका डायबिटीज नियंत्रण से बाहर हो गया है। उन्होंने बताया कि घबराहट, सांस लेने में तकलीफ और सीने में दर्द की वजह से आगे शो में बने रहना उनके लिए संभव नहीं था। इसी कारण उन्होंने शो से बाहर जाने की इच्छा जताई।

शो से बाहर आने के बाद सुनीता ने कहा कि अब उनकी तबीयत पहले से बेहतर है।

उन्होंने बताया कि शो में उनका अनुभव अच्छा रहा और अभिनेता राम कपूर सहित कई प्रतिभागियों से अच्छी दोस्ती हुई। हालांकि उन्होंने अभिनेत्री शिल्पा शिंदे पर निशाना साधते हुए कहा कि पहले ही दिन उन्होंने बेवजह विवाद शुरू किया और अपनी गरिमा खो दी।

इस बीच सुनीता आहूजा ने अपने आगामी बॉलीवुड डेब्यू का भी खुलासा किया। उन्होंने बताया कि वह अपने बेटे यश आहूजा के साथ एकता कपूर की फिल्म से बड़े पर्दे पर नजर आएंगी। फिल्म में वह यश की मां का किरदार निभाएंगी और इसके सितंबर में रिलीज होने की संभावना है।

ई–20 पेट्रोल से बंद हो रहे वाहन, स्पेयर पार्ट्स की मांग अचानक बढ़ी

पेट्रोल बदला, सड़कों पर क्यों रुक रहीं गाड़ियां वाहन मालिकों की चिंता हुई दोगुनी

मैकेनिकों ने बताई खराबी की वजह

20 पेट्रोल पर उठे सवाल गाड़ियों में खराबी बढ़ी

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में पिछले कुछ समय से वाहनों में खराबी के मामले बढ़ने का दावा किया जा रहा है। वाहन मालिकों और मैकेनिकों का कहना है कि एथेनॉल मिश्रित ए20 पेट्रोल के इस्तेमाल के बाद कई दोपहिया वाहनों में तकनीकी समस्याएं सामने आ रही हैं। हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि इसका असर मुख्य रूप से पुराने इंजन वाले वाहनों पर अधिक पड़ सकता है।

ऑटो मार्केट में कार्बोरेटर, पिस्टन, वाल्व, फिल्टर और वायरिंग सेट जैसे स्पेयर पार्ट्स की मांग बढ़ने की बात सामने आई है।

कारोबारियों के अनुसार, इन पार्ट्स की बिक्री में करीब 50 फीसदी तक वृद्धि हुई है। कई वाहन मालिकों को खराबी के बाद मरम्मत पर अतिरिक्त खर्च करना पड़ रहा है।

मैकेनिकों का दावा है कि बीएस–4 और पुराने मॉडल के वाहनों में एथेनॉल मिश्रित ईंधन के कारण रबर और प्लास्टिक के हिस्सों पर असर पड़ सकता है। इसके अलावा नमी के कारण जंग लगने और इंजन की क्षमता प्रभावित होने जैसी समस्याएं भी सामने आने की बात कही जा रही है।

वहीं, मैकेनिकल विशेषज्ञों के अनुसार, बीएस–5 और नए वाहनों में आधुनिक तकनीक, बेहतर फ्यूल इंजेक्शन सिस्टम और मजबूत पार्ट्स होने के कारण ए-20 पेट्रोल का असर काफी कम दिखाई देता है।

विशेषज्ञों का कहना है कि वाहन मालिकों को अपनी गाड़ी के मॉडल और कंपनी की गाइडलाइन के अनुसार ही ईंधन का इस्तेमाल करना चाहिए। पुराने वाहनों में समय–समय पर सर्विस और जरूरी जांच कराना बेहतर रहेगा।

ए20 पेट्रोल में एथेनॉल की मात्रा बढ़ाने का उद्देश्य पेट्रोलियम आयात पर निर्भरता कम करना और वैकल्पिक ईंधन को बढ़ावा देना है। हालांकि, पुराने वाहनों पर इसके प्रभाव को लेकर वाहन मालिकों में चिंता बनी हुई है।

योगी की सेल्फी वाले पेड़ से शुरू हुआ पर्यावरण अभियान

योगी के पौधारोपण अभियान से हरियाली बढ़ाने की नई पहल

यूपी में लगेंगे एक दिन में 35 करोड़ पौधे लगाने की तैयारी

गोरखपुर से मुख्यमंत्री ने किया शुभारंभ

यूनिक समय, गोरखपुर। उत्तर प्रदेश में पर्यावरण संरक्षण को लेकर रविवार को बड़ा अभियान शुरू हुआ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर से 'एक पेड़ मां के नाम' महाअभियान की शुरुआत की। इस दौरान उन्होंने गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस–वे के पास नीम, पीपल और बरगद के पौधे लगाए। पौधारोपण के बाद मुख्यमंत्री ने पौधे के साथ सेल्फी भी ली और आसमान में गुब्बारे छोड़कर अभियान का शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सिर्फ पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनकी देखभाल करना भी हर नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अपनी मां और पूर्वजों की स्मृति में एक पौधा जरूर लगाएं और उसे संरक्षित करें। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बदलते मौसम और बढ़ते तापमान के पीछे पर्यावरण असंतुलन बड़ी वजह है। उन्होंने कहा कि अंधाधुंध पेड़ों की कटाई और जल स्रोतों के नुकसान का असर पूरी मानवता पर पड़ रहा है। ग्लोबल वार्मिंग के कारण कई शहरों में प्रदूषण का स्तर चिंताजनक हो रहा है। राज्य सरकार ने इस बार एक ही दिन में 35 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य तय किया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि पिछले नौ वर्षों में प्रदेश में करीब 242 करोड़ पौधे लगाए जा चुके हैं। सरकार का दावा है कि इन प्रयासों से पर्यावरण संरक्षण में मदद मिली है। अभियान के तहत प्रदेश के सभी जिलों में अलग–अलग स्थानों पर पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। मंत्री, जनप्रतिनिधि, अधिकारी और आम लोग इसमें भाग ले रहे हैं।

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा कि 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान पर्यावरण सुधार के साथ भावनात्मक जुड़ाव भी पैदा करेगा। उन्होंने लोगों से पौधे लगाने के साथ उनकी सुरक्षा का संकल्प लेने की अपील की।

कानपुर, प्रयागराज समेत कई जिलों में भी अभियान के तहत पौधे लगाए गए। सरकार का लक्ष्य है कि यह अभियान पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में नया रिकॉर्ड बनाए।

यूपी में मानसून धीमा चार दिन उमस का दौर

बारिश की रफ्तार थमेगी, बढ़ेगा तापमान

कई जिलों में अभी भी अलर्ट जारी

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में पिछले कुछ दिनों की अच्छी बारिश के बाद अब मानसून की रफ्तार कमजोर पड़ने लगी है। मौसम विभाग के अनुसार अगले तीन से चार दिनों तक प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में धूप और उमस भरी गर्मी का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि पूर्वी तराई के कुछ जिलों में बारिश का असर बना रहेगा।

मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक बंगाल की खाड़ी में बना सिस्टम कमजोर होकर लो–प्रेशर क्षेत्र में बदल गया है। इसके कारण बारिश की गतिविधियां कम होंगी और तापमान में करीब पांच डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी हो सकती है।

मौसम विभाग ने रविवार को महराजगंज, कुशीनगर, गोरखपुर, बलिया, देवरिया समेत 13 जिलों में भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। वहीं पश्चिमी यूपी और मध्यांचल में अगले कुछ दिनों तक हल्की बारिश की संभावना बनी रहेगी। बीते 24 घंटे में बाराबंकी में सबसे ज्यादा 160 मिमी बारिश दर्ज की गई।

मायके जाने की जिद पर पत्नी की नाक काटी, सास ने लिया बदला

पति–पत्नी विवाद में दोनों पक्ष घायल

पुलिस ने शुरू की मामले की जांच

यूनिक समय, लखीमपुर खीरी। जिले के ईसानगर थाना क्षेत्र में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। मायके जाने की बात को लेकर हुए विवाद में पति पर पत्नी की नाक काटने का आरोप लगा है। इसके बाद गुस्साई सास ने दामाद की बहन की नाक काटकर उसे भी घायल कर दिया।

गांव ढखेरवा निवासी प्रीती कश्यप ने आरोप लगाया कि वह अपनी चचेरी बहन की शादी में शामिल होने मायके जाना चाहती थीं। इसी बात को लेकर पति श्रवण कुमार से विवाद हुआ, जिसके बाद मारपीट के दौरान उसने दांतों से उनकी नाक काट दी।

घटना की जानकारी मिलने पर प्रीती के मायके वाले पहुंचे, जहां दोनों पक्षों में मारपीट हो गई।

आरोप है कि प्रीती की मां श्रीदेवी ने दामाद की बहन मोनी कश्यप को घायल कर दिया। दोनों पक्षों ने थाने में शिकायत दी है। पुलिस मामले की जांच कर आगे की कार्रवाई करेगी।

आगरा में मैकेनिक की संदिग्ध मौत से हंगामा

घर के बाहर मिला बुजुर्ग का शव

परिजनों ने पड़ोसी पर लगाया हत्या आरोप

यूनिक समय, आगरा। ट्रांस यमुना थाना क्षेत्र के भगवती बाग में रविवार सुबह एक बुजुर्ग मैकेनिक का शव घर के बाहर मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान 55 वर्षीय दिनेश शर्मा के रूप में हुई है। परिजनों ने पड़ोसी पर हत्या का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया।

परिवार का आरोप है कि दिनेश शर्मा ने पड़ोसी को चार लाख रुपये उधार दिए थे। रविवार सुबह वह पैसे मांगने गए थे। इसके करीब डेढ़ घंटे बाद उनका शव घर के बाहर मिला। परिजनों ने पैर पर चोट के निशान दिखाते हुए हत्या की आशंका जताई। घटना के बाद गुस्साए परिवार और स्थानीय लोगों ने आरोपी पड़ोसी के घर को घेर लिया और उसे बाहर निकालने की मांग करने लगे। मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थिति संभाली और आरोपी को हिरासत में लिया। करीब तीन घंटे बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और शिकायत के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

यूपी चुनाव से पहले भाजपा में बड़ा बदलाव, कटेंगे कई टिकट

खराब प्रदर्शन वाले 40% विधायकों पर संकट

नए चेहरों पर पार्टी लगाएगी बड़ा दांव

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा ने संगठन और विधायकों के प्रदर्शन की समीक्षा तेज कर दी है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के यूपी दौरे के बाद संकेत मिले हैं कि आगामी चुनाव में कई मौजूदा विधायकों के टिकट कट सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक, खराब प्रदर्शन, जनता से दूरी और संगठन में कमजोर पकड़ वाले करीब 40 प्रतिशत विधायकों पर पार्टी विचार कर रही है।

नितिन नवीन ने लखनऊ दौरे के दौरान मंत्रियों, विधायकों और संगठन पदाधिकारियों के साथ बैठक कर चुनावी तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने नेताओं को साफ संदेश दिया कि टिकट मिले या न मिले, सभी को पार्टी की जीत के लिए काम करना होगा।

भाजपा का मुख्य फोकस उन करीब 240 विधानसभा सीटों पर है, जहां 2024 के लोकसभा चुनाव में पार्टी का प्रदर्शन कमजोर रहा था। इन सीटों पर विधायकों के रिपोर्ट कार्ड और क्षेत्र में उनकी सक्रियता की समीक्षा की जा रही है।

पार्टी ने टिकट वितरण के लिए कई मानक तय किए हैं। इनमें सांसद और विधायक के बीच विवाद, कार्यकर्ताओं की नाराजगी, क्षेत्र में कम सक्रियता, उम्र, पार्टी लाइन से अलग बयानबाजी और लोकसभा चुनाव में खराब प्रदर्शन जैसी बातें शामिल हैं।

इसके अलावा 2022 विधानसभा चुनाव में बेहद कम अंतर से जीतने वाले विधायकों पर भी नजर रखी जा रही है। कुछ सीटों पर विधायक महज कुछ सौ वोटों के अंतर से चुनाव जीते थे।

भाजपा इससे पहले भी चुनावों में बड़े स्तर पर टिकट बदलाव कर चुकी है। 2022 विधानसभा चुनाव में पार्टी ने करीब 32 प्रतिशत मौजूदा विधायकों के टिकट काटे थे।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बैठक में मतदाता सूची, संगठन की सक्रियता और संवेदनशील मुद्दों पर नेताओं को सतर्क रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि जनता से जुड़ाव बढ़ाना और कार्यकर्ताओं के साथ बेहतर तालमेल बनाना चुनाव जीतने के लिए जरूरी है।

अब पार्टी की नजर सर्वे रिपोर्ट और जमीनी फीडबैक पर है। माना जा रहा है कि अंतिम टिकट वितरण में नए चेहरों को मौका मिल सकता है।

अपनों को दें घर बैठे
भावपूर्ण श्रद्धांजलि
• शोक संदेश • पुण्यतिथि • उठावनी
साइज–8x10 मात्र–₹1000/-*
(कलर)
अब डिजिटल अपनाओ
मोबाइल से घर बैठे बुक कराओ
कॉल करें–9837115157

कश्मीर के पहलगाम में बादल फटा उत्तराखंड में लैंडस्लाइड से तबाही

यूनिक समय, नई दिल्ली। देश के पहाड़ी राज्यों में लगातार बारिश के चलते हालात बिगड़ने लगे हैं। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में बादल फटने से अचानक बाढ़ जैसे हालात बन गए। कई खेतों को नुकसान पहुंचा है, जबकि सड़कें बह गईं। प्रशासन ने प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिए हैं।

वहीं, उत्तराखंड के विकासनगर में भारी बारिश के कारण लखवाड़ हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट के पास लैंडस्लाइड हो गई। भूस्खलन की चपेट में आने से कई वाहन और निर्माण कार्य

बारिश से सड़कें बहीं वाहन मलबे में दबे

मानसून कमजोर, कई राज्यों में बढ़ी गर्मी

में लगी मशीनें मलबे में दब गईं। पहाड़ी इलाकों में बारिश के कारण नदियों का जलस्तर भी लगातार बढ़ रहा है।

दूसरी ओर, देश के कई हिस्सों में मानसून की रफ्तार धीमी पड़ गई है। मौसम विभाग के अनुसार, करीब 70 प्रतिशत हिस्से से मानसूनी बादल कमजोर हुए हैं। बंगाल की खाड़ी में नया मजबूत सिस्टम नहीं बनने और मानसून ट्रफ के उत्तर की ओर खिसकने से बारिश की गतिविधियां कम हुई हैं।

बारिश कम होने से दिल्ली-एनसीआर, पश्चिमी मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात और महाराष्ट्र समेत कई राज्यों में तापमान बढ़ गया है। राजस्थान के श्रीगंगानगर में तापमान 42 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया।

हालांकि, उत्तर भारत, पूर्वी राज्यों और पूर्वोत्तर के कुछ हिस्सों में बारिश जारी रहने की संभावना है। प्रयागराज में गंगा का जलस्तर बढ़ा है, जबकि ऋषिकेश में भी नदी का पानी घाटों तक पहुंच गया है। बिहार के पटना में भारी बारिश के बाद कई इलाकों में जलभराव की स्थिति बनी हुई है।

मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, पहाड़ी क्षेत्रों में बादल फटने की घटनाएं नमी भरी हवाओं और भौगोलिक परिस्थितियों के कारण बढ़ जाती हैं। ऊंचे पहाड़ों और संकरी घाटियों में बादल अचानक भारी मात्रा में बारिश कर देते हैं, जिससे नुकसान की आशंका बढ़ जाती है।

ओमान तट के पास भारतीय जहाज पर हमला, भारतीय फंसे

विदेश मंत्रालय ने बचाव अभियान तेज किया

होर्मुज स्ट्रेट में बढ़ा समुद्री तनाव

जहाज पर 11 भारतीय सवार थे, एक नागरिक अब भी लापता

यूनिक समय, नई दिल्ली। ओमान तट के पास होर्मुज स्ट्रेट में एक कमर्शियल जहाज पर हुए हमले के बाद क्षेत्र में तनाव बढ़ गया है। हमले का शिकार हुए जीएफएस गैलेक्सी जहाज पर 11 भारतीय नागरिक भी सवार थे। घटना के बाद 10 भारतीयों को सुरक्षित बचा लिया गया है, जबकि एक भारतीय नागरिक के लापता होने की जानकारी सामने आई है।

भारत के विदेश मंत्रालय ने इस हमले की कड़ी निंदा की है और राहत एवं बचाव अभियान में ओमान के अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क बनाए रखने की बात कही है। मंत्रालय ने बताया कि भारतीय दूतावास स्थिति पर नजर रख रहा है और लापता नागरिक की तलाश के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं।

विदेश मंत्रालय ने अपने बयान में कहा कि अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों में व्यापारिक जहाजों को निशाना बनाया जाना बेहद चिंताजनक है। मंत्रालय ने क्षेत्र में बढ़ते तनाव को कम करने और कूटनीतिक समाधान के जरिए शांति बहाल करने की अपील दोहराई है इस हमले के बाद मध्य-पूर्व क्षेत्र में तनाव और बढ़ गया है। हाल के दिनों में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़े सैन्य टकराव का असर आसपास के देशों पर भी दिखाई दे रहा है। कई देशों में सुरक्षा अलर्ट जारी किए गए हैं और समुद्री मार्गों की निगरानी बढ़ा दी गई है।

पंजाब कांग्रेस कलह बरकरार बैठक में नहीं निकला समाधान

यूनिक समय, नई दिल्ली। पंजाब कांग्रेस में जारी अंदरूनी विवाद खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। कांग्रेस प्रभारी भूपेश बघेल की नाराज नेताओं के साथ हुई बैठक के बाद भी गुटबाजी का समाधान नहीं निकल पाया। विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी के सामने यह बड़ी चुनौती बन गई है।

बैठक में पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी गुट ने प्रदेश अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग को हटाने और चन्नी को मुख्यमंत्री चेहरे के तौर पर आगे बढ़ाने की मांग रखी। इस गुट का कहना है कि चुनाव की रणनीति और टिकट वितरण में चन्नी की

चन्नी गुट ने रखी दो बड़ी शर्तें

भूमिका अहम होनी चाहिए। वहीं, राजा वड़िंग गुट अपनी स्थिति पर कायम है।

दोनों पक्षों के बीच मतभेद के कारण पार्टी में एकजुटता बनाने की कोशिशें सफल नहीं हो पा रही हैं। भूपेश बघेल ने सभी नेताओं की बात सुनी और भरोसा दिलाया कि पार्टी जीतने वाले उम्मीदवारों को प्राथमिकता देगी। अब बैठक की रिपोर्ट कांग्रेस आलाकमान को सौंपी जाएगी। अंतिम फैसला हाईकमान को लेना है।

पटना रेलवे कोचिंग कॉम्प्लेक्स में भीषण आग, छह घंटे बाद काबू

15 दमकल गाड़ियों ने संभाला मोर्चा

यूनिक समय, नई दिल्ली। बिहार की राजधानी पटना के राजेंद्र नगर रेलवे कोचिंग कॉम्प्लेक्स में रविवार सुबह अचानक भीषण आग लग गई। आग इतनी तेज थी कि कुछ ही समय में भवन के बड़े हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

आग की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की 15 से अधिक गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। फायर ब्रिगेड की टीमों ने करीब छह घंटे तक लगातार अभियान चलाकर आग पर नियंत्रण पाया। राहत कार्य के दौरान आसपास के क्षेत्रों की सुरक्षा बढ़ा दी गई और लोगों की आवाजाही सीमित कर दी गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सुबह कोचिंग

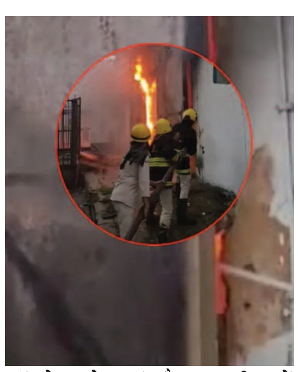

कॉम्प्लेक्स से धुआं और आग की लपटें उठती दिखाई दीं। सूचना मिलते ही पुलिस, रेलवे अधिकारी और दमकल कर्मी मौके पर पहुंच गए। प्रारंभिक जांच में आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है, हालांकि वास्तविक कारणों का पता जांच के बाद ही चल सकेगा। आग से लाखों रुपये के नुकसान की आशंका जताई गई है।

मंत्री बने आम यात्री, बस में खुली सिस्टम की पोल

100 रुपये के नोट ने पकड़वाई लापरवाही

मास्क लगाकर मंत्री ने परखी बस सेवा

यूनिक समय, नई दिल्ली। कर्नाटक के परिवहन मंत्री बी. सुरेश ने शनिवार रात आम यात्री बनकर बेंगलुरु की बीएमटीसी बसों का औचक निरीक्षण किया। पहचान छिपाने के लिए उन्होंने मास्क लगाया और करीब दो घंटे तक शहर की अलग-अलग बसों में सफर किया।

निरीक्षण के दौरान मंत्री ने यात्रियों से बातचीत कर उनकी समस्याएं जानीं और खुद टिकट लेकर बस सेवाओं का अनुभव लिया। इसी दौरान हेब्बाल-

नागशेट्टीहल्ली रूट की बस में उन्हें छुट्टे पैसे की समस्या का सामना करना पड़ा। मंत्री ने जब 100 रुपये का नोट दिया तो कंडक्टर ने छुट्टी नहीं होने की बात कहकर उन्हें बस से उतरने के लिए कहा।

इसके अलावा एक बस स्टॉप पर यात्री के संकेत के बाद भी बस नहीं रोकने पर मंत्री ने ड्राइवर और कंडक्टर को निलंबित करने के निर्देश दिए।

मंत्री ने कहा कि यात्रियों को बेहतर सुविधा देने और कर्मचारियों में अनुशासन बनाए रखने के लिए ऐसे औचक निरीक्षण आगे भी जारी रहेंगे।

वैशाली में खूनी खेल, आर्मी जवान समेत पिता की हत्या

यूनिक समय, नई दिल्ली। बिहार के वैशाली जिले में रविवार सुबह सनसनीखेज वारदात सामने आई। बिदुपुर थाना क्षेत्र के रजासो गांव में आपसी रंजिश और रास्ते के विवाद को लेकर एक व्यक्ति ने अपने ही चाचा और चचेरे भाई की गोली मारकर हत्या कर दी।

मृतकों की पहचान 60 वर्षीय मुनारिक राय और उनके 35 वर्षीय बेटे जितेंद्र कुमार के रूप में हुई है। जितेंद्र भारतीय सेना में जवान थे और कुछ दिन पहले ही छुट्टी पर घर आए थे।

जानकारी के अनुसार, सुबह दोनों घर के दरवाजे पर बैठे थे, तभी आरोपी भतीजा कुछ साथियों के साथ पहुंचा और विवाद के बाद फायरिंग कर दी। गोली लगने से पिता-पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गए और अस्पताल पहुंचने से पहले ही उनकी मौत हो गई।

घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। शुरुआती जांच में जमीन और रास्ते के पुराने विवाद को हत्या की वजह माना जा रहा है। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है।

बंगाल की खाड़ी में भूकंप, आंध्र में महसूस हुए झटके

यूनिक समय, नई दिल्ली। बंगाल की खाड़ी में रविवार सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप का असर आंध्र प्रदेश के कई तटीय इलाकों में देखने को मिला। हालांकि, इस घटना में किसी तरह के जान-माल के नुकसान की जानकारी सामने नहीं आई है। इंडियन नेशनल सेंटर फॉर ओशन इंफॉर्मेशन सर्विसेज के अनुसार, भूकंप सुबह करीब 5 बजकर 5 मिनट पर आया। इसकी तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 4.5 मापी गई। भूकंप का केंद्र काकीनाडा तट से करीब 225 किलोमीटर दूर बंगाल की खाड़ी में था और यह जमीन से 10 किलोमीटर नीचे दर्ज किया गया। विशाखापत्तनम समेत कई इलाकों में लोगों ने हल्के झटके महसूस किए। कुछ लोग घबराकर अपने घरों से बाहर निकल आए। अधिकारियों के अनुसार, भूकंप के कारण किसी इमारत या संपत्ति को नुकसान नहीं पहुंचा है।

इससे पहले महाराष्ट्र के हिंगोली जिले में भी हल्के भूकंपीय झटके दर्ज किए गए थे।

ट्विशा शर्मा केस में एम्स रिपोर्ट से बड़ा खुलासा

बेल्ट पर मिले स्किन टिश्यू से बढ़े संकेत

यूनिक समय, नई दिल्ली। भोपाल में ट्विशा शर्मा की मौत मामले में एम्स दिल्ली की फाइनल फोरेंसिक रिपोर्ट सामने आई है। रिपोर्ट को सीबीआई को सौंप दिया गया है, जिसमें जांच से जुड़े अहम वैज्ञानिक निष्कर्ष दर्ज हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, कथित तौर पर फंदा बनाने में इस्तेमाल की गई जिम्नास्टिक्स बेल्ट पर त्वचा के ऊतक (स्किन टिश्यू) पाए गए हैं। जांच में इन

ऊतकों और पीड़िता की गर्दन पर मिले निशानों के बीच समानता की बात सामने आई है। इस मामले में बेल्ट को लेकर लंबे समय से सवाल उठ रहे थे। एम्स की जांच के बाद यह स्पष्ट हुआ कि मेटल रिंग वाली जिम्नास्टिक्स बेल्ट

सीबीआई को सौंपी गई फाइनल फोरेंसिक रिपोर्ट

ट्विशा शर्मा केस में एम्स रिपोर्ट से बड़ा खुलासा

जांच का अहम हिस्सा है। परिवार की मांग के बाद मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के निर्देश पर एम्स दिल्ली की मेडिकल टीम ने दोबारा पोस्टमार्टम किया था। इसके बाद वैज्ञानिक जांच और सभी साक्ष्यों के विश्लेषण के आधार पर रिपोर्ट तैयार की गई। अब सीबीआई इस रिपोर्ट के आधार पर आगे की जांच कर रही है। कोर्ट के निर्देशों के कारण रिपोर्ट की पूरी जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है।

कतर के पूर्व अमीर शेख हमद का निधन 74 वर्ष की उम्र में ली अंतिम सांस

यूनिक समय, नई दिल्ली। कतर के

पूर्व शासक शेख हमद बिन खलीफा अल थानी का रविवार को निधन हो गया। वह 74 वर्ष के थे। कतर न्यूज एजेंसी ने उनके निधन की पुष्टि की है, हालांकि मौत के कारणों की आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। शेख हमद ने वर्ष 1995 में शांतिपूर्ण तरीके से सत्ता संभाली थी और करीब 18 वर्षों तक कतर का नेतृत्व किया। वर्ष 2013 में उन्होंने अपने बेटे शेख तमीम बिन हमद अल थानी को सत्ता सौंप दी थी।

उनके कार्यकाल में कतर ने ऊर्जा, मीडिया और निवेश के क्षेत्र में बड़ी पहचान बनाई। नॉर्थ फील्ड गैस परियोजना के विस्तार से देश दुनिया के प्रमुख छठें निर्यातकों में शामिल हुआ। उनके समय में अल जजीरा नेटवर्क की शुरुआत भी हुई।

पर्यावरण संरक्षण को रोपे गए 39.40 लाख पौधे

पौधारोपण करते मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण, साथ हैं राज्यसभा सांसद, विधायक और डीएम आदि अधिकारी।

उच्च माध्यमिक विद्यालय नंदगांव के गांव जरैला में पौधे रोपित करते छात्र और शिक्षक।

जिला अस्पताल में पौधारोपण करते हुए सीएमएस नीरज अग्रवाल और अन्य डॉक्टर।

श्री कृष्णा इंटर कॉलेज गोकुल में पौधारोपण करते एनसीसी कैडेट्स।

अधिकारियों का दावा-एक पेड़ मां के नाम अभियान में हजारों हाथों ने लगाए पौधे

अस्पताल, स्कूल-कॉलेज निकाय और सामाजिक संस्थाओं ने निभाई जिम्मेदारी

यूनिक समय, मथुरा। रविवार सुबह धरा को हरियाली से लदकद करने का अभियान चला तो शाम तक 39.40 लाख से अधिक पौधे रोप दिए गए। हर हाथ ने पौधा रोपा और संरक्षण का संकल्प लिया। एक पेड़ मां के नाम अभियान में हजारों हाथों ने पौधे रोपे, जबकि अभियान में अस्पताल, स्कूल-कॉलेज, निकाय और सामाजिक संस्थाओं ने जिम्मेदारी निभाई।

महर्षि दयानंद सरस्वती जिला चिकित्सालय परिसर में सीएमएस डॉ. नीरज अग्रवाल के नेतृत्व में चिकित्सक डॉ.अमन कुमार,डॉ.सिद्वार्थ धनगर और स्टाफ नर्सों, फार्मासिस्टों, लैब टेक्नीशियनों और कर्मचारियों ने पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। श्री कृष्ण इंटर कॉलेज गोकुल में प्रधानाचार्य डॉ. कमल कौशिक के नेतृत्व में पौधे लगाए गए। गोकुल नगर पंचायत अध्यक्ष संजय दीक्षित और एसडीएम चंद्रभूषण सिंह के नेतृत्व में लक्ष्य से अधिक पौधे रोपे गए। अमित कुमार, चिंटू द्विवेदी, दीपू, दिनेश कुमार, विष्णु पटेल, दीपक और हरिकिशन सहित अन्य लोग मौजूद रहे। श्री खेलनवन इंटर कॉलेज शेरगढ़ में प्रबंधक ऋषभ जैन और प्रधानाचार्य गौरव कुमार गोयल के नेतृत्व में शिक्षक और विद्यार्थियों ने पौधे लगाए। कार्यक्रम में राजेंद्र पायला, प्रवीण तिवारी और चंद भाटी सहित शिक्षक उपस्थित रहे। भगवान परशुराम शोभायात्रा समिति ने पंडित रामगोपाल शर्मा, बीएसए कॉलेज के प्राचार्य ललित मोहन शर्मा नेतृत्व में फलदार और छायादार पौधे लगाए। नंदगांव के उच्च प्राथमिक विद्यालय नगला जरैला में पौधे लगाए गए। विद्यालय प्रबंधन समिति अध्यक्ष रियाज खान, क्षेत्र पंचायत सदस्य सरफराज खान और प्रधानाध्यापक त्रिलोक चंद दुबे ने पौधों के महत्व पर प्रकाश डाला। किशोरी रमण स्नातकोत्तर महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना और एनसीसी के संयुक्त तत्वावधान में प्राचार्य प्रो. प्रवीण कुमार अग्रवाल ने कदम का पौधा लगाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। संचालन डॉ. अशोक कुमार कौशिक, डॉ. नवीन अग्रवाल और लेफ्टिनेंट कपिल कौशिक ने किया। वहीं, फरह, बल्देव, गोवर्धन, बरारी, चौमुहां, कोसीकलां, छाता, नंदगांव, बरसाना, राया, नौहझील, सुरीर आदि कस्बों में पौधे रोपे गए।

गोरवा वन ब्लॉक में मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी ने रौपा पौधा

यूनिक समय, मथुरा। एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत रविवार को पौधारोपण महाभियान-2026 के तहत गोवर्धन स्थित गोरवा वन ब्लॉक के पास पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित हुआ। अध्यक्षता करते हुए प्रदेश के गन्ना विकास और चीनी मिल मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी ने करते हुए एक पेड़ मां के नाम अभियान के माध्यम से लोगों को अधिक से अधिक पौधे लगाने और पर्यावरण संरक्षण में भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद तेजवीर सिंह, विधायक मेघश्याम सिंह, पूर्व विधायक कारिंदा सिंह, डीएम चंद्र प्रकाश सिंह, डीएफओ वेंकट श्रीकर पटेल, उपायुक्त मनरेगा विजय कुमार पांडेय, एसडीएम गोवर्धन सुशील कुमार सिंह, डिप्टी कलेक्टर नरेंद्र यादव सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी और अन्य लोग मौजूद रहे। सभी ने पौधारोपण कर हरियाली बढ़ाने और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

पुलिस लाइन, थाने- चौकियों में रोपे गए पौधे

एसएसपी श्लोक कुमार के निर्देशन में पुलिस लाईन, थाना और चौकियों में पौधे रोपे गए। एसपी सुरक्षा, सीओ लाइन, प्रतिसार निरीक्षक ने जैत क्षेत्र में चांदमारी परिसर में विभिन्न प्रजाति के पौधे रोपे, अधिकारियों और कर्मचारियों ने सरंक्षण-नियमित देखभाल का भी संकल्प लिया गया।

कार्यालय कर्मचारियों के साथ पौधारोपण करतीं बीएसए रतन कीर्ति।

पौधारोपण करते गोकुल नगर पंचायत अध्यक्ष और एसडीएम। श्री खेलवन इंटर कॉलेज शेरगढ़ में पौधारोपण करते शिक्षक- छात्र।

पौधारोपण करते इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति राजीव कुमार सिंह और अधिकारी।

बीएसए डिग्री कॉलेज में पौधारोपण करते राम राम गोपाल शर्मा, कॉलेज की प्राचार्य ललित मोहन शर्मा।

किशोरी रमन महाविद्यालय में पौधारोपण के दौरान प्राचार्य और शिक्षक।

गोवर्धन पर्वत की तलहटी में न्यायमूर्ति राजीव सिंह ने किया पौधारोपण

यूनिक समय, मथुरा। पर्यावरण संरक्षण और पौधारोपण महायज्ञ के तहत रविवार को गोवर्धन पर्वत की तलहटी स्थित दानघाटी क्षेत्र में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति राजीव सिंह ने पौधारोपण किया। न्यायमूर्ति राजीव सिंह एवं अन्य अधिकारियों ने बरगद, पीपल, नीम, पाकड़, अर्जुन और जामुन सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे और उनके संरक्षण का संकल्प लिया। न्यायमूर्ति ने कहा कि गोवर्धन पर्वत ब्रजवासियों की आस्था का प्रमुख केंद्र है। इसकी प्राकृतिक हरियाली और पर्यावरण की रक्षा करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। इस अवसर पर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नितिन कुमार, अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट वरुण कौशिक, सिविल जज (जूनियर डिवीजन)/मुंसिफ मथुरा प्रत्युष आनंद मिश्रा, अपर सिविल जज महिमा जैन, अपर नगर मजिस्ट्रेट वृंदावन राजकुमार चौधरी भी मौजूद रहे।

मुड़िया मेले में श्रद्धालुओं की सुरक्षा प्राथमिकता: लक्ष्मी

भंडारा लगाने वाले आयोजकों करें 20 जुलाई तक आवेदन: डीएम

यूनिक समय, मथुरा। मुड़िया पूर्णिमा मेलाको सुरक्षित, सुव्यवस्थित और श्रद्धालु हितैषी बनाने के लिए रविवार को गोवर्धन तहसील सभागार में प्रदेश के गन्ना विकास एवं चीनी मिल मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी ने अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि मेले में आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

डीएम चंद्र प्रकाश सिंह ने बताया कि 23 से 30 जुलाई तक आयोजित होने वाले मेले में भंडारा लगाने वाले आयोजकों को 20 जुलाई तक आवेदन करना होगा। सभी अनुमतियां लोक निर्माण विभाग के निरीक्षण भवन में स्थापित सिंगल विंडो क्लियरेंस व्यवस्था के माध्यम से एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जाएंगी। उन्होंने सार्वजनिक स्थानों पर पोस्टर लगाने, दीवारों पर लिखावट करने, सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वालों पर जुर्माना लगाने की चेतावनी भी दी।

मंत्री ने खाद्य सुरक्षा विभाग को जांच के दौरान व्यापारियों का उत्पीड़न न करने के निर्देश दिए। वहीं स्वास्थ्य विभाग को अस्पतालों में पर्याप्त बेड, आईसीयू, वेंटिलेटर, दवाओं और चिकित्सकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा। लोक निर्माण विभाग को परिक्रमा मार्ग दुरुस्त करने,रोडवेज को पर्याप्त बसें संचालित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में राज्यसभा सांसद तेजवीर सिंह, गोवर्धन विधायक मेघश्याम सिंह सहित जनप्रतिनिधि, विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

ट्रेड डील और बिजली अव्यवस्थाओं को लेकर भाकियू चढ़ूनी करेगी आंदोलन

यूनिक समय, मथुरा। 15 जुलाई को प्रस्तावित अमरीका-भारत ट्रेड डील के खिलाफ भाकियू चढूनी बाइक रैली निकालेगी, जबकि 14 जुलाई को बिजली अव्यवस्थाओं को लेकर चीफ इंजीनियर कार्यालय पर धरना-प्रदर्शन किया जाएगा, इसको लेकर तैयारियां तेज कर दी हैं। रविवार को बल्देव के अवैरनी कैंप कार्यालय पर राधेश्याम सिकरवार की अध्यक्षता में बैठक कर भारत-अमेरिका ट्रेड डील पर चर्चा की गईबैठक में आगरा मंडल अध्यक्ष रामवीर सिंह तोमर, जिलाध्यक्ष संजय पाराशर, मंडल उपाध्यक्ष हरिपाल सिंह परिहार, मंडल प्रवक्ता गौरव तोमर, जिला उपाध्यक्ष सोनवीर सिंह, प्रदेश महासचिव सतीश, प्रदेश सचिव कुंतभोज, सोनवीर सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष ओमवीर, तुलसी दास योगेन्द्र सिंह, महावीर सिंह, रामप्रकाश पुजारी, हरिओम सिंह परिहार, कन्हैया, पंचम सिंह, भरत ,रामशरण, रिशाल आदि मौजूद रहे। संचालन जिलाध्यक्ष संजय पाराशर ने किया।

हरिधाम कॉलोनी में मिला हिस्ट्रीशीटर का शव

यूनिक समय, मथुरा। थाना रिफाइनरी की हरिधाम कॉलोनी के एक निर्माणाधाम मकान में एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला। शव की शिनाख्त हिस्ट्रीशीटर कुलदीप के रूप में हुई। मृतक पर एक दर्जन से अधिक मुकदमें दर्ज हैं। सीओ रिफाइनरी ने बताया कि आज 11 बजे डायल 112 के माध्यम से थाना रिफाइनरी क्षेत्र के हरिधाम कॉलोनी में एक नवनिर्माणाधीन मकान में अज्ञात शव मिलने की सूचना मिली थी। सूचना पर उच्चाधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया। इसके बाद फील्ड यूनिट के द्वारा साक्ष्य संकलन की कार्रवाई की गई। उसके बारे में जानकारी की गई तो पता लगा कि मृतक की पहचान कुलदीप पुत्र हुकम सिंह, निवासी हेतलपुर, थाना टप्पल, जनपद अलीगढ़ के रूप में हुई है। मृतक के ऊपर विभिन्न जनपदों में एक दर्जन से अधिक अपराधिक अभियोग पंजीकृत हैं। सीओ ने बताया कि प्रारंभिक जांच और सीसीटीवी, अन्य साक्ष्य संकलन की कार्रवाई में प्रथम दृष्टया मृत्यु दुर्घटना के कारण होना प्रतीत हो रही है। पुलिस ने शव के पंचायत नामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले में पुलिस जांच जारी है।

हिस्ट्रीशीटर की मौत प्रथमदृष्टा दुर्घटना

310 ग्राम गांजे के साथ एक गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन पुलिस ने जादौन पर्किंग के अंदर से काशीराम कॉलोनी निवासी सोहिल को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 310 ग्राम गांजा बरामद किया है। पुलिस ने उसके खिलाफ एनडीपीसी एक्ट में कार्रवाई की है।